Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 320 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, गुरुवार 02 अक्टूबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की हुई बल्ले-बल्ले, डीए में हुई 3 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दशहरा और दिवाली के त्योहारी सीजन से ठीक पहले केंद्र की मोदी सरकार ने देश के एक करोड़ से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी सौगात दी है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ते (छ्र) में 3त्न की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले के बाद अब केंद्रीय कर्मचारियों की जेब में हर महीने बढ़कर सैलरी आएगी। इस बढ़ोतरी के बाद केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों का महंगाई भत्ता 55त्न से बढ़कर 58त्न हो गया है। सरकार ने इस बढ़ोतरी को 1 जुलाई, 2025 से लागू किया है, जिसका मतलब है कि कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर, इन तीन महीनों का एरियर भी मिलेगा। यह पैसा दिवाली से पहले एकमुश्त खाते में आने की उम्मीद है, जिससे त्योहारों का मजा दोगुना हो जाएगा। इस फैसले का सीधा लाभ 49.2 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.7 लाख पेंशनर्स को मिलेगा।

आपको बता दें कि इससे पहले मार्च महीने में महंगाई भत्ते में सिर्फ 2त्न की बढ़ोतरी की गई थी, जो पिछले 7 सालों में सबसे कम थी। इससे कर्मचारियों में थोड़ी मायूसी थी। आमतौर पर डीए में 3त्न से 4त्न की बढ़ोतरी होती है, इसलिए इस बार 3त्न की बढ़ोतरी से कर्मचारियों की उम्मीदें पूरी हो गई हैं। सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों को बढ़ती महंगाई से राहत देने और उनके जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए हर 6 महीने में महंगाई भत्ते में संशोधन करती है। इसकी गणना ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर की जाती है।

बेहतर परफॉर्म करने वाले अधिकारियों की हुई सराहना, अधिकारियों को स्व-मूल्यांकन कर सुधार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री की विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों के साथ मैराथन बैठक

मुख्यमंत्री ने की ई-ऑफिस प्रणाली की तारीफ, शासकीय कामकाज में बढ़ी पारदर्शिता

जेम पोर्टल से होने वाली शासकीय खरीदी में अनियमितता पर होगी कड़ी कार्रवाई

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों की मैराथन बैठक ली। उन्होंने विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अधिकारियों को विभागीय समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने उच्च स्तरीय बैठक में पूंजीगत व्यय में तेजी, शासकीय कामकाज में पारदर्शिता, आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण तथा गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों की सराहना की और अधिकारियों को स्व-मूल्यांकन कर सुधार लाने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली से शासन के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ी है और इससे सुशासन का संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि लगभग सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो चुकी है। शेष विभाग दिसंबर 2025 तक इसे अनिवार्य रूप से लागू करें। मुख्यमंत्री ने सुगम आवागमन के लिए सड़कों के सुधार और रखरखाव पर विशेष बल दिया। साथ ही, जेम पोर्टल से होने वाली शासकीय खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूंजीगत व्यय से राज्य की आधारभूत संरचना मज़बूत होती है और दीर्घकालिक विकास की नींव पड़ती है। उन्होंने कम पूंजीगत व्यय वाले विभागों को कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के रजत जयंती वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक प्रावधान किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट में प्रावधानित कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति समय पर दी जाए, स्वीकृत कार्यों के टेंडर शीघ्र जारी हों और बिना विलंब कार्य प्रारंभ हो। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय के सभी कार्य जनता के हित से सीधे जुड़े हैं, इसलिए इन्हें समय पर पूरा करना आवश्यक है। जिन विभागों का व्यय पिछले वर्ष की तुलना में कम है, वे इसके कारणों की पहचान कर तत्काल सुधार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में आगामी दो महीनों का सदुपयोग करते हुए निर्माण कार्यों से संबंधित सभी औपचारिकताएँ शीघ्र पूरी करें।

जनता की समस्याओं को धैर्य से सुनें अधिकारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने विभागीय सचिवों से कहा कि आप सभी जनता की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें और उनका निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सतत मॉनिटरिंग और नियमित प्रवास से विकास की गति बढ़ती है। प्रभारी सचिव अपने-अपने प्रभार वाले जिलों का हर दो माह में दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंत्रालय के कामकाज में कसावट लाने के उद्देश्य से 1 दिसंबर से बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समय पर कार्यालय पहुँचें और अपने अधीनस्थों को भी समयपालन के लिए प्रेरित करें। मुख्य सचिव श्री विकास शील ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 1 दिसंबर से मंत्रालय में उप सचिव स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों तक के लिए बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली लागू होगी।

छत्तीसगढ़ पहली बार करेगा डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन की मेज़बानी, पीएम मोदी होंगे शामिल

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पहली बार अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन की मेज़बानी करने जा रहा है। यह सम्मेलन 28 से 30 नवंबर तक नया रायपुर स्थित नए मरीन ड्राइव परिसर में होगा, जिसमें देशभर के पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक हिस्सा लेंगे। इस 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन की शुरुआत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे और समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में आंतरिक सुरक्षा से जुड़े अहम विषयों पर चर्चा होगी, जिनमें नक्सलवाद से निपटने की रणनीति, आतंकवाद विरोधी प्रयास, ड्रग्स नियंत्रण, साइबर सुरक्षा और सीमा प्रबंधन शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बार नक्सल प्रभावित इलाकों पर खास फोकस रहेगा। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में हाल के समय में पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त रणनीति से उल्लेखनीय सफलता मिली है। सम्मेलन में इस दिशा में आगे की योजनाओं पर भी मंथन होगा। महत्वपूर्ण यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो महीने के भीतर दूसरी बार छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। वे 31 अक्टूबर की शाम रायपुर आएंगे, रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन यानी 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद नवंबर के अंतिम सप्ताह में वे पुनः रायपुर पहुंचेंगे और डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करेंगे।

पाक बॉर्डर पर गरजेगा 'मेड इन इंडिया' तेजस

अमेरिकी इंजन मिलते ही एचएएल ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के बेड़े में स्वदेशी लड़ाकू विमान 'तेजस' की दहाड़ सुनने का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (ॠरु) को अमेरिका की जनरल इलेक्ट्रिक (त्रश्व) कंपनी से तेजस का चौथा इंजन मिल गया है, जिससे विमानों के निर्माण में आ रही सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। इस बड़ी सफलता के साथ ही यह तय हो गया है कि नवंबर महीने तक पहले दो **advanced** तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट भारतीय वायुसेना को सौंप दिए जाएंगे। दरअसल, फरवरी 2021 में सरकार ने 83 तेजस मार्क-1ए विमानों के लिए ॠरुके साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। लेकिन अमेरिकी इंजन की डिलीवरी में हो रही देरी के कारण अब तक एक भी विमान वायुसेना को नहीं मिल पाया था। अब इंजन की आपूर्ति शुरू होने के साथ ही उम्मीद है कि 2028 तक सभी 83 विमान वायुसेना के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। तेजस मार्क-1ए विमान वायुसेना के उस महान योद्धा 'मिग-21' की जगह लेंगे, जो 62 साल की शानदार सेवा के बाद 26 सितंबर को ही रिटायर हुआ है। वायुसेना की योजना है कि तेजस के पहले स्क्वाड्रन को पाकिस्तान सीमा के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात किया जाए।

Government of India

Ministry of Road Transport and Highways

संबंधित व्यक्ति विवरण परिवहन वेबसाइट **https://parivahan.gov.in/** पर देख सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया ईमेल करें - आईडी: helpdesk-vahan[at]gov[dot]in and helpdesk-sarathi[at]gov[dot]in

CBC 37101/13/0011/2526

संक्षिप्त समाचार

प्राचार्य डॉ. शबनूर सिद्दिकी का सेवानिवृत्ति समारोह सम्पन्न

पिथौरा(समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय पिथौरा में आज एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शबनूर सिद्दिकी के सेवानिवृत्त होने पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

समारोह में उपस्थित डॉ. एस. एस. तिवारी ने सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. सिद्दिकी का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योगदान की सराहना की तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने कहा कि डॉ सिद्दिकी ने अपने कार्यकाल में महाविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया और शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान दिया। समारोह के अंत में सभी ने उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ दीं। समारोह में मुख्य रूप से डॉ. एस. एस. तिवारी, डॉ. सीमा अग्रवाल, पी. एस. ठाकुर, बी. एस. विशाल, जितेंद्र कुमार पटेल, डुलेश्वर ठाकुर, शीशराम पैकरा, रोशनलाल रवि, रेशम बरिहा, तुलाराम साव, गंगा बाई ध्रुव, झूलेश्वर सिन्हा, जानकी बाई डड़सेना, इंद्र कुमार ध्रुव, छबिराम यादव तथा छबि पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी प्रभारी डॉ सीमा अग्रवाल ने किया।

यातायात पुलिस के द्वारा परमिट शर्तों का उलंघन करने वाले डी.जे चालक प र की गई कार्यवाही

बालोद (समय दर्शन)। खल्लारी के पास मोटर वाहन चेकिंग के दौरान परमिट शर्तों का उल्लंघन कर खतरनाक ढंग से डी.जे. वाहन को चलाते वाहन

चालक को पाए जाने पर एक डी.जे. वाहन चालक के विरूद 10,000/- की चलानी कार्यवाही यातायात बालोद के द्वारा की गयी है। अब तक खतरनाक ढंग से वाहन चलाने शराब सेवन कर वाहन चलाने यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले 130 वाहन चालको के विरुद लाइसेंस निलंबन हेतु भेजी गई है। यातायात पुलिस बालोद के द्वारा लगातार वाहन चालको से अपील किया जा रहा है की बिना अनुमति एवं परमिट शर्तों का उल्लंघन कर वाहन न चलाएं, शराब सेवन कर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए अपने तथा अन्य व्यक्तियों की जान जोखिम में न डाले हमेशा यातायात नियमों का पालन करे आम जनो एवं वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बालोद पुलिस सदैव तत्पर है। यातायात पुलिस बालोद आम नागरिकों से अपील करता है कि मालवाहक वाहन में सवारी भरकर परिवहन न करे, यातायात नियमों का पालन करे, रात्रि में वाहन चलाते समय अपर डिपर का प्रयोग करे, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करे, नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, संयमित गति से वाहन चलाएं एवं वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें व वाहन चलाते समय वाहन के दस्तावेज हमेशा अपने साथ रखे।

मोदी सरकार के जीएसटी सुधारों से बड़ी राहत मिलेगी- चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को लेकर देश भर में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इस कड़ी में कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी ने इन सुधारों का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय देश के व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं दोनों के लिए बेहद राहतदायक साबित हो रहा है।

नपा अध्यक्ष श्री चन्द्रवंशी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार के जीएसटी सुधारों से कृषि, चिकित्सा और इलेक्ट्रॉनिक सहित कई दैनिक उपयोगी उत्पादों से जीएसटी हटाया गया है अथवा कम किया गया है जिसका सीधा लाभ लोगों को मिलेगा। उन्होने कहा कि कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाले खाद, कीटनाशक, बीजों पर लगने वाला कर घटने से अब किसानों को यह सामग्री सस्ती दर पर उपलब्ध होगी। इससे खेती की लागत कम होगी और किसानों की आय बढने की संभावना है। इसी तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी कई आवश्यक उपकरणों और दवाइयों पर जीएसटी दर कम की गई है। मरीजों के इलाज में प्रयुक्त होने वाले डायग्नोस्टिक किट, सर्जिकल उपकरण और सामान्य दवाइयों की कीमतों में कमी आएगी। इससे आम लोगों को इलाज पर होने वाला खर्च कम होगा और स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में मोबाइल फोन, लैपटॉप और एलईडी बल्ब जैसी वस्तुओं पर जीएसटी घटने से इनकी कीमतें कम होंगी। इससे डिजिटल सेवाओं और पढ़ाई-लिखाई में तकनीकी साधनों का उपयोग बढ़ेगा।

नपा अध्यक्ष श्री चन्द्रवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केन्द्र सरकार ने जीएसटी प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार लागू किए हैं, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ आम जनता को भी सीधी राहत मिल रही है। इन सुधारों के तहत कुछ उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती या पूर्ण छूट दी गई है, जिससे उनकी कीमतों में गिरावट आई है। इस नए सुधार के अनुसार जीएसटी काउंसिल ने चार कर दरों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत, 28 प्रतिशत) को छोड़कर केवल दो मुख्य दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू करने का निर्णय लिया है। अब पहले 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों पर आने वाली बड़ी संख्या में उपभोक्ता वस्तुएं 5 प्रतिशत या 18 प्रतिशत दर में आ गई हैं।

नपा अध्यक्ष श्री चन्द्रवंशी ने बताया कि इन सुधारों से कवर्धा में व्यापार और उपभोक्ता गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि नगर पालिका व्यापारियों और नागरिकों को आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगी ताकि यह राहत जमीन तक पहुंच सके। नगर पालिका परिषद कवर्धा में मंगलवार को अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी की अध्यक्षता में प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिषद सदस्यों ने केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा जीएसटी सुधारों का स्वागत करते हुए इसे देश की आर्थिक प्रगति और कर प्रणाली को सरल बनाने वाला कदम बताया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि नए सुधारों से व्यापारियों, किसानों और आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

अब सरायपाली जिला बनाना लगभग तय - प्रखर अग्रवाल

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली को जिला बनाए जाने की प्रक्रिया को लेकर क्षेत्र में उत्साह और उमंग छाया है। कई समाज सेवी संगठन नेता व्यापारियों की वर्षों पुरानी माँग अब पूरी होती दिख रही है छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जिले की घोषणा की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। शासन ने प्रशासनिक, भौगोलिक, जनसंख्या तथा अन्य सामाजिक पहलुओं पर आधारित विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर महासमुंद से मांगी है। उक्त विषय पर संगम सेवा समिति के संस्थापक एवं भाजपा कार्यकर्ता प्रखर अग्रवाल ने कहा की यह ऐतिहासिक निर्णय लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही मांगों के बाद लिया गया है उन्होंने कहा की प्रदेश में जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व छत्तीसगढ़ की आम जनता के लिए कार्य किया जा रहा है उसी कड़ी में सराईपाली की जनता की भावना को समझते हुए यह निर्णय एतिहासिक साबित होगा सरायपाली को जिला बनने से प्रशासनिक सुविधा घर-घर तक पहुंचेगी, जिससे छोटे-बड़े सरकारी कार्यों के लिए अब लोगों को दूर नहीं जाना पड़ेगा। अब राजस्व, स्वास्थ, शिक्षा,

पुलिस और अन्य विभागों की सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। इससे आम जनता के समय और खर्चे की बचत होगी, साथ ही विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी यह क्षेत्र पूर्वी छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। जिला बनने के बाद आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क सुविधाओं के साथ-साथ कृषि और व्यापार का भी विस्तार होगा। नई सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ लोगों तक सरलता से पहुंचेगा, जिससे क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी सरायपाली की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पहचान को जिला बनने के बाद और बल मिलेगा। कई दशकों से लंबित भविष्य की अपेक्षाएं अब साकार होने के करीब हैं। अलग सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक इकाई बनने से ग्रामीण अंचल, फुलझर क्षेत्र आदि को भी विशेष लाभ मिलेगा सरायपाली को जिला बनाए जाने की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों में हर्ष और संतोष का माहौल है। व्यापारियों, आम नागरिकों और युवा वर्ग ने इसे ऐतिहासिक एवं क्षेत्र को विकास की नई राह देने वाला कदम बताया है। इस प्रकार, सरायपाली के जिला बनने से पूरे क्षेत्र को प्रशासनिक, विकासात्मक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से बड़ा लाभ पहुंचने जा रहा है, जिससे स्थानीय बहुत पुराने सपने अब पूरे होते दिख रहे हैं।

जनपद पंचायत कवर्धा में सेवा पखवाडा दिवस शिविर लगाया

अध्यक्ष श्रीमती सुषमा ने दिलाई नशा मुक्ति शपथ

कवर्धा (समय दर्शन)। सेवा पखवाडा दिवस यह एक कार्यक्रम नही है बल्कि देश को स्वस्थ्य, स्वच्छ एवं जिम्मेदार नागरिकों से परिपूर्ण करने का एक राष्ट्रीऊय संकल्प है। प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक मनाए जाने वाला यह अभियान स्वच्छता ही सेवा विचार में बदलने का माध्यम है। सेवा पखवाड़ा 2025 इस भाव को और मजबूती मिली है, क्योंकि यह वर्ष भारत की आजादी में अमृत महोत्सव व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 75 वर्ष से जुडा है।

इसी तारतम्य में 18.09.2025 से 27.09.2025 तक जनपद पंचायत कवर्धा में सेवा पखवाडा दिवस अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 71 हिग्राहियों का मुख्यमंत्री पेंशन एवं 02 दिव्यांग हितग्राहियो को नि:शुल्क बस पास की स्वीकृति प्रदान की गई एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शपथ ग्रहण कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में कवर्धा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गनपत बघेल ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएँ ये सरकारी योजनाएँ नागरिकों को, विशेष रूप से निराश्रितों, बुजुर्गों और दिवयांग व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं। नशा मुक्ति के संबंध युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होने नशा से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होने कहा कि युवा पीढी को देश के उज्जवल भविष्य के लिए नशे जैसी बुराइयों से दूर रहना होगा। इस अवसर पर कवर्धा जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुषमा बघेल, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी छोटूराम वर्मा, रामरूप कौशिक एवं जनपद पंचायत कवर्धा के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सटोरियों की नई चाल, पुलिस के खौफ में कोरबा-रायपुर खिसका सट्टा कारोबार

सक्ती के सटोरिए पुरानी आईडी बेचकर नए क्लेवर में कर रहे खेल

सक्ती (समय दर्शन)। सक्ती जिला बनने के बाद पुलिस ने जिस तेजी से जुए-सट्टे और अवैध कारोबारियों पर नकेल कसनी शुरू की है, उसका असर अब साफनज़र आ रहा है। कभी खुलेआम लाखों-करोड़ों का दांव लगाने वाले सटोरिए अब पुलिस के खौफ से शहर छोड़ भागने को मजबूर हैं, एशिया कप के दौरान जहां क्रिकेट मैदान पर खिलाड़ियों ने चौके-छक्कों से धूम मचाई, वहीं पर्दे के पीछे सटोरियों ने मोटी कमाई भी की। लेकिन खेल खत्म होते ही 'लेडी सिंघम' पुलिस कप्तान की सख्ती ने सटोरियों के होश उड़ा दिए। नतीजा ये हुआ कि अब पूरा नेटवर्क सक्ती से उठकर कोरबा और रायपुर शिफ्ट होने लगा है।

पुरानी आईडी बेचकर खेला नया दांव

सूत्र बताते हैं कि पुलिस के रडार पर आने के डर से कई सटोरियों ने अपने पुराने ग्राहकों को दूसरे गिरोहों को बेच दिया। अब ये ग्राहक कोरबा घंटाघर और रायपुर के जरिए जोड़े जा रहे हैं। नगर में चर्चा है कि इस सौदेबाजी में 30 से 40 प्रतिशत कमीशन तय किया गया है। यानी ग्राहक भले सक्ती के हों, लेकिन खेल अब दूसरे जिलों से नियंत्रित हो रहा है।

अस्पताल में भर्ती होने की चाल पर सवाल

पिछले दिनों नगर के हृदय स्थल से एक बड़ा सटोरिया गिरफ्तार भी हुआ। पुलिस ने कार्रवाई की, लेकिन जेल पहुंचने से पहले ही आरोपी सीधे जांजगीर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया।

तब जेल प्रबंधन पर कई सवाल उठे, सबसे बड़ा सवाल उठा कि आखिर बिना स्थानीय डॉक्टर की सलाह के किसी आरोपी को बाहर के अस्पताल में भर्ती करने की ज़रूरत क्यों पड़ी.. ? सुरक्षा के विशेष इंतज़ाम भी किए गए, जिससे शक और गहराता है कि सटोरिए के पीछे बैठे आका अब भी अपनी पकड़ बनाए रखना चाहते हैं।

कोरबा-रायपुर में फैला नेटवर्क, लेकिन खेल खिलाड़ी यहीं के

भले ही सट्टा नेटवर्क कोरबा और रायपुर से ऑपरेट हो रहा हो, लेकिन दांव लगाने और लगवाने वाले खिलाड़ी ज्यादातर सक्ती और आसपास के ही हैं। यानी खेल चाहे कहीं से भी हो, इसकी जड़ें अभी भी जिले में ही हैं। यही वजह है कि पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है और जैसे ही कोई सुराग मिलता है, कार्रवाई करने तैयार रहती है।

पुलिस कप्तान का खौफ चर्चा में सटोरियों की दबी जुबान

सटोरियों में इन दिनों एक चर्चा खूब आम है कि बस कप्तान का ट्रांसफर हो जाए, फिर देखना कैसे सट्टे का आतंक लौटता है। लेकिन यह उनकी गलतफहमी है। क्योंकि जो भी कप्तान आएगा, वो भी अधिकारी ही होगा और कानून का पालन कराने के लिए और भी कड़े कदम उठा सकता है। दरअसल यह बयान खुद ही साबित करता है कि मौजूदा कप्तान ने सटोरियों की कमर तोड़ दी है। आज हालत यह है कि जिले के बड़े-बड़े सटोरिए खौफज़दा और बौखलाए हुए हैं।

सुतूरमुर्ग वाली मानसिकता में जी रहे सटोरिए

नगर में लोग मज़ाक में कह रहे हैं कि सटोरिए इस समय सुतूरमुर्ग जैसे हैं, जो रेत में सिर छुपाकर सोचता है कि कोई देख नहीं रहा। वास्तव में ये हालात सच को बयान करते हैं। पुलिस की सख्ती से बचने के लिए ये सटोरिए भले ही कोरबा-रायपुर शिफ्ट हो रहे हो लेकिन इनकी सांसें अभी भी सक्ती पुलिस की कार्रवाइयों से अटकी हुई हैं।

पुलिस की जीत, सटोरियों की हार

पिछले कुछ महीनों में पुलिस की लगातार कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि जिले में अवैध कारोबारियों की कोई जगह नहीं। पुलिस कप्तान और सक्ती पुलिस ने यह संदेश साफ कर दिया है कि चाहे नेटवर्क कितना भी बड़ा क्यों न हो, चाहे वो कोरबा में बैठे हों या रायपुर में, सक्ती पुलिस की नज़र से बचना नामुमकिन है, आज हालत ये है कि सटोरियों के लिए सक्ती पुलिस का नाम ही खौफबन चुका है। नगर में हर कोई कह रहा है कि सटोरियों की हालत अब खिसियानी बिल्ली जैसी हो गई है, जबकि पुलिस अपनी सख्ती से जिले को सट्टा-मुक्त बनाने में लगी है।

शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल में जीवंत मातारानी नवदुर्गा विराजी

कवर्धा (समय दर्शन)। जनपद की प्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल के द्वारा सदैव ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ ही उनकी सांस्कृतिक चेतना के उत्थान के लिए भी बहुविध आयोजन किया जाता है। नवरात्रि के पावन अवसर पर माता रानी भगवती का पूजन चतुर्दिक भक्तिभाव से हो रहा है। गुरुकुल में भी जीवंत माँ नवदुर्गा का पूजन किया गया।

प्री प्राइमरी- प्राइमरी के नन्हें मुन्ने बच्चों ने नव दुर्गा के रूप में विद्यालय परिसर को भक्तिमय बना दिया। दर्शको को लगा मानों माता भगवती का साक्षात अवतरण हुआ हो। इस अवसर पर भंडारे का भी भव्य आयोजन किया गया। माताराती के जयकारे से सारा वातावरण गूंजायमान हो गया। श्रद्धालुओं ने सच्चे मन से माताराती भवानी से समग्र विद्यालय परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। गुरुकुल परिवार ने इस आयोजन को सफल बना कर सच्चे अर्थों में माँ दुर्गा की भक्ति, सेवा तथा अनुशासन का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। संस्था के अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारीगण तथा प्रभारी प्राचार्य ने इस गरिमामय आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को ऐसी सांस्कृतिक चेतना से सदैव जोड़े रखने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रासगरबा के धुनों पर कई दिनों से थिरक रहा था पिथौरा

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा नगर मे इन दिनों रासगरबा कार्यक्रम की धूम मची हुई है।भक्ति और उल्लास के साथ इस गरबा महोत्सव मे भाग लेने के लिए युवक युवतियां वर्ष भर इंतजार करते हैं । नवरात्र के शुभ अवसर पर पिथौरा के शहीद भगतसिंह खेल मैदान शाम ढलते ही खचाखच भर जाता है।और यहाँ प्रतिदिन शुरू होता है,माँ दुर्गा को समर्पित गरबा का सामुहिक नृत्य ।

जहाँ माँ की आराधना ने जन-जन को एक सूत्र में बाँध देता है। बच्चों की मुस्कान से लेकर बुजुर्गों के आशीर्वाद तक, हर क्षण रोमांचित होता है। रास गरबा महोत्सव 2025 से सिर्फ मैदान नहीं भरता, यह महोत्सव लोगों के दिलों में जगह बना ली है । यह आयोजन नहीं था, हमारे नगर की आत्मा का उत्सव था- विक्की सलूजा इस महोत्सव के संयोजक विक्की सलूजा ने बताया,कि शहीद भगत सिंह खेल मैदान में ढोल की थाप, रंगों की लय और जयकारे गूँजे तो ऐसा लगा मानो पिथौरा में माता रानी स्वयं उतर आयी है। गरबा के इस महा मंच मे जो स्वर, जो कदम थिरक रहे थे, आज वही सब विदा लेने से पहले एक बार फिर अपने उत्कर्ष मे दिखे। नगर व क्षेत्र के लोग इस महोत्सव की रंग एवं उल्लास की भक्तिमय नयनाभिराम यादों को सँभालकर ले जायेंगे। गरबा के रंग,मनभावन स्मृतियाँ लोगों के मन:पटल मे थिरकते रहेगी।

वरिष्ठ नागरिकों को किया गया सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिले में वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह आयोजित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा ऑडिटोरियम, जांजगीर में वरिष्ठजनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विधायक जांजगीर चांपा श्री ब्यास कश्यप , पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व विधायक श्री अम्बेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, जांजगीर-नैला नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल , उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, श्रीमती कन्हैया सूर्यवंशी, श्री गुलाब सिंह चंदेल, श्री राम कुमार, श्री अर्जुन राठौर, इंजी रवि पांडे, श्रीमती नंदनी रजवाड़े, श्रीमती कविता तिवारी, श्री संतोष राठौर, श्री आर. के. थवाईत, श्री के. सी. राठौर,कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ,जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, एसडीएम चांपा श्री पवन कोसमा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज बर्मन सहित अन्य गणमान्यजन एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विधायक जांजगीर चांपा श्री ब्यास कश्यप ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति की परंपरा रही है कि वरिष्ठजनों का सम्मान और प्रणाम किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1 अक्टूबर 1991 से दिवस मनाया जा रहा है , ताकि वरिष्ठजनों के सम्मान और सुरक्षा पर ध्यान दिया जा सके। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग केवल उम्र में बड़े नहीं होते, बल्कि वे ज्ञान, अनुभव और संस्कारों के प्रतीक होते हैं। समाज का दायित्व है कि वे उन्हें उचित सम्मान दें और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखें।पूर्व विधायक श्री अम्बेश जांगड़े ने कहा कि यह दिन वरिष्ठजनों के सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज और परिवार की नींव होते हैं, उनके अनुभव और मार्गदर्शन से ही हम सही दिशा में आगे बढ़ते हैं।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस न केवल वरिष्ठजनों के सम्मान का दिन है, बल्कि यह समाज को यह स्मरण दिलाने का अवसर भी है कि बुजुर्ग केवल घर की नींव नहीं, बल्कि समाज की जड़ें हैं। इस समारोह के माध्यम से हम न केवल बुजुर्गों का अभिनंदन कर रहे हैं, बल्कि उनके प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कर रहे हैं।

निहारिका ने मूर्तिकला में बाजी मारी, प्रतिभा ने लोकल क्राफ्ट में हासिल किया द्वितीय स्थान

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिखा बलरामपुर की बच्चियों का हुनर

रायपुर। जगदलपुर में आयोजित इस महोत्सव में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शंकरगढ़ की छात्राओं ने अपनी मेहनत, लगन और सृजनशीलता से नया मुकाम हासिल किया द्य बलरामपुर- रामानुजगंज जिले की बेटियों ने राज्य स्तरीय कल्चरल एंड लिटरेसी फेस्ट (कला उत्सव, समृद्धि और उद्भव 2025) में अपने हुनर का ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा जिला गौरवान्वित हो उठा।

मिट्टी से अद्भुत कलाकृतियां गढ़ने वाली निहारिका नाग ने मूर्तिकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया। बचपन से ही कला में गहरी रुचि रखने वाली निहारिका बताती हैं कि जब दूसरे बच्चे खेलों में व्यस्त रहते थे, तब वे मिट्टी और लकड़ी से छोटे-छोटे खिलौने और प्रतिमाएँ बनाने में रम जाती थीं। शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास ने उनकी इस रुचि को कला के उच्च आयाम तक पहुँचाया। वहीं, प्रतिभा ने लोकल क्राफ्ट प्रतियोगिता में परंपरा और आधुनिकता का संगम प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने ग्रामीण जीवन, लोक संस्कृति और काष्ठकला को अपने अनूठे अंदाज में प्रदर्शित किया। प्रतिभा का मानना है कि परंपरा ही हमारी असली पहचान है और उसे नये रूप में संवारना ही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इन उपलब्धियों पर जिला प्रशासन, विद्यालय के शिक्षक और अभिभावक गर्वित हैं। उनका कहना है कि बेटियों ने यह सफलता मेहनत और निरंतर अभ्यास से अर्जित की है। निहारिका और प्रतिभा की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि हुनर को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो छोटे से गाँव से भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। उनकी यह उपलब्धि जिले के हर विद्यार्थी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

शराब घोटाला: 30 आबकारी अधिकारियों को ED का नोटिस

3,200 करोड़ की जांच ने पकड़ी रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए बहुचर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ईडी ने उस दौर में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ रहे करीब 30 आबकारी अधिकारियों को पीएमएलए की धारा 50 के तहत पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। इनमें एक अतिरिक्त आयुक्त, पांच उपायुक्त, 14 सहायक आयुक्त (जिनमें से तीन सेवानिवृत्त हैं), सात जिला आबकारी अधिकारी (चार सेवानिवृत्त) और तीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी शामिल हैं।

समन की अनदेखी, सख्त कार्रवाई की चेतावनी- सूत्रों के मुताबिक, नोटिस मिलने के बावजूद अब तक कोई भी अधिकारी पेश नहीं हुआ है। ईडी ने चेतावनी दी है कि यदि अधिकारी लगातार समन की अवहेलना करते रहे, तो उन्हें अदालत में पेश करने के लिए कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी।

इन अफसरों को भेजा गया नोटिस- जिन 30 आबकारी अधिकारियो को नोटिस जारी हुआ है उनमें 01 अतिरिक्त आयुक्त, 05 उपायुक्त, 14 सहायक आयुक्त (3 सेवानिवृत्त), 07 जिला शिक्षा अधिकारी (4 सेवानिवृत्त) और सहायक स्तर के 03 अन्य अधिकारी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ACB/EOW द्वारा दायर एक नए आरोपपत्र में नाम आने के बाद, अधिकारियों पर ईडी ने क्क्रक्र की धारा 50 के तहत मामला दर्ज किया है। ईडी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक श्वह्लङ्घ और ईडी दोनों द्वारा ठोस सबूत पेश किए जाने के बावजूद, अधिकारियों ने पिछले हफ्ते जारी किए गए समन को अब तक नज़रअंदाज़ किया है। समन का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई की जा सकती है अगर ये अधिकारी आरोपपत्र और हमारी जाँच की पृष्ठभूमि के बावजूद टालमटोल करते रहे, तो हमें उन्हें अदालत में पेश करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। रायपुर की एक विशेष अदालत में 7 जुलाई को दायर SEOIACB के चौथे पूरक आरोपपत्र में उन सभी तीस अधिकारियों के नाम शामिल हैं, जिनमें सात सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सूची में एक अतिरिक्त आबकारी आयुक्त आशीष श्रीवास्तव, पांच उपायुक्त अनिमेष नेताम, विजय सेन शर्मा, अरविंद कुमार पटले, नीतू नोतानी ठाकुर और नोबर सिंह ठाकुर,प्रमोद कुमार नेताम, रामकृष्ण मिश्रा, विकास कुमार गोस्वामी, नवीन प्रताप सिंह तोमर, सौरभ बख्शी, दिनकर वासनिक, सोनल नेताम, प्रकाश पाल, आलेख राम सिदार, आशीष कोसम और राजेश जयसवाल, साथ ही सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त जी.एस. नुरूटी, वेदराम लहरे और एल.एल. ध्रुव, सात जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) इकबाल खान, मोहित कुमार जयसवाल गैरीपाल सिंह दर्डा, सेवानिवृत्त जिला आबकारी अधिकारी ए.के. सिंह, जे.आर. मंडावी, देवलाल वैध और ए.के. अनंत और दो सहायक जिला आबकारी अधिकारी जनार्दन कौरव और नितिन खंडूजा, और एक सहायक जिला आबकारी अधिकारी मंजूश्री कसार शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर बुजुर्गों को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित, नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच भी

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, बलरामपुर जिला, स्वास्थ्य जांच शिविर, जनपद पंचायत कार्यक्रम

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बलरामपुर जिले में कार्यक्रम आयोजित कर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। जिला मुख्यालय के जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित समारोह में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए लगभग 300 बुजुर्ग और वृद्धाश्रम के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सभी बुजुर्गों को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का अनुभव और आशीर्वाद समाज और परिवार के विकास की दिशा तय करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वृद्धजन दिवस सिर्फ एक दिन मनाने के लिए नहीं है, बल्कि हर समय बुजुर्गों के प्रति स्नेह और सम्मान बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श की भी सुविधा प्रदान की गई, जिससे बुजुर्गों की भलाई सुनिश्चित की जा सके। समारोह में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, जनपद सीईओ श्री दीपराज कांत, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित और अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिरनपुर हिंसा चार्जशीट : गृह मंत्री विजय शर्मा का विपक्ष पर तंज

रायपुर। बिरनपुर मामले की जांच के बाद सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल कर दिया है. इस पर कांग्रेस की आई टिप्पणी पर उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कम से कम सीबीआई पर तो कांग्रेस का विश्वास बढ़ा है. पांच सालों तक सीबीआई को बैन कर रखा था. गृह मंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि चार्जशीट पर कहा कि सीबीआई ने एक बिंदु पर ही जांच की. जो गांव वालों के तर्क बिंदु है, उस पर सीबीआई की जांच नहीं हुई है. वहीं तोमर बंधु सहित कई फरार आरोपियों के अब तक नहीं पकड़े जाने पर कांग्रेस के तंज पर गृह मंत्री ने कहा कि दुबई में जो बैठे हैं, उनके साथ इनके लोग भी बैठे हैं, कांग्रेस यह बताए कि उनका क्या हुआ। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार उस समय मदहोश थी. कांग्रेस को कभी अपने कार्यकाल में ध्यान नहीं आया कि प्रदेश में क्या चल रहा था. कांग्रेस में कुछ ही लोगों की धमक ज्यादा थी. इस वजह से बाकी सब की आवाज नहीं सुनाई देती थी।

एनडीपीएस मामलों में हो रही कार्रवाई- उन्होंने कहा कि हमारे यहां एनडीपीएस के प्रकरण में कई लोग पकड़े जा रहे हैं, जिनके मामले 4-5 साल पुराने हैं. इसीलिए किसी एक वर्ग के पीछे नहीं भागना चाहिए. सभी वर्गों से मिलकर काम करना चाहिए. एनडीपीएस में पहली बार प्रॉपर्टी अटैच होने का काम हो रहा है. जितनी शिद्दत से कार्रवाई अभी हो रही है, कांग्रेस के कार्यकाल में वह कार्रवाई कभी नहीं हुई।

डीजी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे मोदी-शाह- गृहमंत्री विजय शर्मा ने डीजी कांफ्रेंस को लेकर कहा कि 28, 29 और 30 अक्टूबर को होगा. पहले भी देश के विभिन्न राज्यों में इसका आयोजन हुआ है. नई योजनाओं के होने वाली प्रैक्टिसेज के अलावा देशभर के विषय पर इंटीग्रेटेड तौर पर चर्चा होती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दो रात और तीन दिन छत्तीसगढ़ में रहेंगे, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी में शामिल होंगे।

3 अक्टूबर को अमित शाह छत्तीसगढ़ में- गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 3 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ दौरा है। 3 तारीख की रात को केंद्रीय गृहमंत्री का आगमन हो जाएगा. अगले दिन सुबह दंतेवाड़ा में दंतेश्वरी माता के दर्शन करके स्वदेशी मेले में जाएंगे. मांझी मुड़िया पुजारी के साथ उनकी चर्चा होगी।

सैमसंग फैब ग्रैब फेस्ट इस त्योहारी सीजन में सबसे बड़े ऑफर्स के साथ लेकर आया एआई का जादू

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने इस त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को आज से शुरू हो रहे अपने सबसे बड़े शॉपिंग इवेंट फैब ग्रैब फेस्ट में आकर्षक कीमतों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शक्ति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया है। सैमसंग के एआई-पावर्ड टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, स्मार्टफोन, मॉनिटर, साउंड डिवाइस और अन्य उत्पादों के व्यापक पोर्टफोलियो पर विशेष फेस्टिव ऑफर्स के साथ, फैब ग्रैब फेस्ट उपभोक्ताओं के लिए सैमसंग के इंटेलिजेंट इकोसिस्टम में अपग्रेड करने का सबसे बेहतरीन अवसर है, जो रोजमर्रा के जीवन को बदल देता है। विशेष रूप से, एसी, टीवी और मॉनिटर पर जीएसटी में कटौती के बाद नई कम कीमतें भी अब लागू हो गई हैं।

रियायती कीमतों पर सैमसंग के एआई-पावर्ड इकोसिस्टम के साथ स्मार्ट लिविंग का आनंद उठाएं इस त्योहारी सीजन में, सैमसंग अपने एआई-पावर्ड उत्पादों के साथ हर घर में स्मार्ट लिविंग ला रहा है। गैलेक्सी एआई वाले स्मार्टफोन रीयल-टाइम अनुवाद, स्मार्ट फोटो एडिटिंग और काम को आसान बनाने वाले उपकरण प्रदान करते हैं। एआई-सक्षम टीवी सामग्री को बेहतर बनाते हैं और रेफ्रिजरेटर व वॉशिंग मशीन जैसे उपकरण आपके उपयोग को समझकर अधिक कुशलता से काम करते हैं। सैमसंग एआई को सभी के लिए सुलभ और उपयोगी बना रहा है। चाहे फोन, टीवी, रेफ्रिजरेटर या वॉशिंग मशीन हो, हर डिवाइस रोजमर्रा के काम को आसान, व्यक्तिगत और कनेक्टेड बनाती है। फैब ग्रैब फेस्ट में भारी छूट, कैशबैक ऑफर्स और अपग्रेड प्रोग्राम के साथ, अब सैमसंग की नई पीढ़ी की एआई तकनीक को घर लाने का सबसे अच्छा समय है।

ग्रामीण स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम - परसा में आयोजित बहुविशेषज्ञता शिविर से सैकड़ों लाभान्वित

164 ग्रामीणों को मिला नि:शुल्क उपचार और परामर्श

नि:शुल्क दवाइयाँ, नेत्र परीक्षण एवं चश्मों का वितरण, ईसीजी और ब्लड प्रेशर जांच की सुविधा

उदयपुर, अम्बिकापुर — अदाणी ट्रैक्स मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (ATMSL) ने अपनी सीएसआर शाखा, अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर सोमवार, 29 सितम्बर 2025 को परसा के मार्केट शेड में एक बहुविशेषज्ञता स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों और वंचित समुदाय को उनके घर के नजदीक नि:शुल्क विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। शिविर में बाल रोग, स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा एवं नेत्र जांच जैसी सेवाएँ प्रदान की गईं। कुल 164 मरीजों ने प्रात: 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक आयोजित इस पहल का लाभ उठाया। मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, दवाइयाँ, नेत्र परीक्षण और चश्मों का वितरण किया गया। साथ ही ईसीजी और ब्लड प्रेशर की जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में आँखों की समस्याएँ, बदन दर्द व गठिया, खाँसी-जुकाम एवं बुखार और स्त्री रोग संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया। चिकित्सा टीम का नेतृत्व डॉ. दीपक कुमार पुँगले ने किया। टीम में रायपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सक शामिल थे, जिनमें डॉ. अपेक्षा सिंह गहरवार (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. स्मिता (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रियंका गुप्ता (नेत्र रोग विशेषज्ञ) और डॉ. चेतन चतुर्वेदी (एमडी फिजिशियन एवं डीएम कार्डियोलॉजिस्ट) शामिल थे।

शिविर की जानकारी गाँव के प्रमुख प्रतिनिधियों को निमंत्रण, सोशल मीडिया, पंपलेट वितरण और मुनादी के माध्यम से दी गई। मरीजों का पंजीकरण और शिविर संचालन का संपूर्ण प्रबंधन अदाणी फाउंडेशन टीम द्वारा किया गया। एटीएमएसएल और अदाणी फाउंडेशन भविष्य में भी स्थानीय समुदायों के लिए इस प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिविर का उद्घाटन सरपंच श्रीमती तुलसी उइके, उपसरपंच श्री उमाशंकर यादव, महिला उद्यमी बहुदेशीय सहकारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती अमिता सिंह और उपाध्यक्ष श्रीमती वेदमती उइके की उपस्थिति में हुआ।

संक्षिप्त समाचार

ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने 800 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

भारत में व्यवसायों और उपभोक्ताओं को सेवा देने वाला एक एकीकृत सोना और चांदी का प्लेटफॉर्म और 31 अगस्त, 2025 तक, 24 राज्यों में उपस्थिति ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। आईपीओ में 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है, जो 620 करोड़ रुपये तक एकत्रित होता है, और 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव शामिल है, जो 180 करोड़ रुपये तक एकत्रित होता है। कुल पेशकश का आकार 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों से बना है जो 800 करोड़ रुपये तक एकत्रित होते हैं। प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारकों द्वारा बिक्री प्रस्ताव में नमिता केतन कोठारी द्वारा 60 करोड़ रुपये तक, विवेक पृथ्वीराज कोठारी द्वारा 60 करोड़ रुपये तक और डिंपल मुकेश कोठारी द्वारा 60 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं। कंपनी शुद्ध आय का उपयोग इन्वेंट्री की खरीद और रखरखाव के लिए भविष्य की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को निधि देने के लिए और 465 करोड़ रुपये की राशि की खरीद के उद्देश्य से अग्रिम मार्जिन आवश्यकताओं को निधि देने के साथ-साथ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव करती है। ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड का परिचालन सोने और चांदी के मूल्य श्रृंखला के कई खंडों तक फैला हुआ है, जिसमें खरीद और शोधन बुलियन ट्रेडिंग, डिजिटल गोल्ड पेशकश, आभूषण निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री और स्वर्ण समर्थित वित्तीय सेवाओं को सुगम बनाना शामिल है।

प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दायर किया

वेल्डिंग उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में पाउडर और वायर दोनों श्रेणियों में सबसे तेज़ी से बढ़ते निर्माताओं में से एक, प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 27,900,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनमें 22,500,000 इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और 5,400,000 इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में अरविंद छोटेलाल मोरजारिया द्वारा कुल 2,170,800 इक्विटी शेयर, दिलीप छोटेलाल मोरजारिया द्वारा 1,740,030 इक्विटी शेयर, सुभाष छोटेलाल मोरजारिया द्वारा 1,078,770 इक्विटी शेयर, ललित नवीनचंद्र मोरजारिया द्वारा 341,895 इक्विटी शेयर और निर्मला नवीनचंद्र मोरजारिया द्वारा 68,505 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से विक्रेता शेयरधारक के रूप में जाना जाता है। बीआरएलएम के परामर्श से, प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड अपनी आरएचपी दाखिल करने से पहले 30 करोड़ रुपये तक के प्री-आईपीओ पर विचार कर सकता है। यदि ऐसा किया जाता है, तो जुटाई गई राशि नए निर्गम से कम हो जाएगी। कंपनी अपनी शुद्ध आय का उपयोग महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खालापुर स्थित होनाद गाँव में एक नई वायर निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए आवश्यक पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण हेतु और कुछ मौजूदा उत्पादों की निर्माण क्षमता बढ़ाकर, गुट संख्या 33 और 39, मौजे आबजे (वैतरणा नगर), वाडा, पालघर, महाराष्ट्र में स्थित वाडा इकाई में मौजूदा निर्माण सुविधा के विस्तार हेतु आवश्यक पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण हेतु करने की योजना बना रही है।

गौडियम आईवीएफएंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड ने सेबी के पास दोबारा दाखिल किया डीआरएचपी

भारत के अग्रणी फर्टिलिटी और आईवीएफ सेवा प्रदाताओं में से एक, गौडियम आईवीएफएंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल कर दिया है। कंपनी एक हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से संचालित होती है, जिसमें कई राज्यों में 7 हब और 28 स्पोक शामिल हैं, जो इसे देश के सबसे बड़े आईवीएफ नेटवर्कों में से एक बनाता है। डॉ. मनिका खन्ना द्वारा स्थापित, गौडियम आईवीएफ भारत में सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकियों में एक अग्रणी के रूप में उभरा है। इस पेशकश में 5 रुपये अंकित मूल्य वाले कुल 2,08,86,200 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिसमें 1,13,92,500 इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और प्रमोटर डॉ. मनिका खन्ना द्वारा 94,93,700 इक्विटी शेयरों तक का बिक्री प्रस्ताव शामिल है। अपनी पिछली फाइलिंग में, कंपनी ने 1,83,54,400 इक्विटी शेयरों के एक बड़े फ्रेश इश्यू और 25,31,700 इक्विटी शेयरों के एक छोटे ओएफएस का प्रस्ताव किया था, जो मिलाकर 2,08,86,100 इक्विटी शेयर था। पिछली संरचना की तुलना में, जबकि समग्र पेशकश का आकार लगभग समान ही है, इसकी संरचना में काफी बदलाव आया है। जिसमें ओएफएस हिस्सा 25.32 लाख शेयरों से बढ़कर 94.94 लाख शेयर हो गया है—यह लगभग 69.62 लाख शेयरों की वृद्धि है, जो मौजूदा फाइलिंग में प्रमोटर की उच्च हिस्सेदारी बिक्री को दर्शाता है।

ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने GST 2.0 के नोटबुक उद्योग पर प्रभाव को लेकर चिंता जताई

मुंबई। ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन प्रधानमंत्री और भारत सरकार का जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत कर प्रणाली को सरल बनाने और आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए उठाए गए साहसिक कदमों हेतु हार्दिक आभार व्यक्त करता है। हालांकि, वर्तमान में जो स्थिति उत्पन्न हुई है, जिसमें नोटबुक पर 0% GST और आसियान मुक्त व्यापार समझौते (ASEAN FTA) के तहत 0त्न कस्टम ड्यूटी लगाई गई है, वह भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है। आसियान समझौते के अंतर्गत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगता। अब, 0% GST के कारण, इन आयातों पर IGST भी नहीं लगेगा, जिसका मतलब यह है कि इन पर कोई काउंटरवेलिंग ड्यूटी भी नहीं लगेगी — जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में सस्ते हो जाते हैं, जबकि भारत में घरेलू मांग को पूरा करने की पूरी क्षमता मौजूद है। हाल ही में, शिक्षा क्षेत्र में लागत को कम करने के उद्देश्य से नोटबुक में प्रयुक्त कागज पर GST को 0% किया गया था। परंतु व्यावहारिक रूप में, इस निर्णय के कई अनपेक्षित दुष्परिणाम सामने आए हैं।

संपादकीय

भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर हमला

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोजाना कुछ न कुछ ऐसा कर रहे हैं, जिससे भारत सरकार और भारतीय निशाने पर आ जाते हैं। ट्रंप आड़ तो अपने देश के युवाओं के रोजगार बढ़ाने की ले रहे हैं, लेकिन हमला भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर कर रहे हैं। अभी अमेरिका से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क का मामला सुलझा भी नहीं है कि ट्रंप ने एच1बी वीजा का बम गिरा दिया है। एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया है। इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों, जिनमें बड़ी संख्या में आईटी से जुड़े हैं, पर गंभीर असर पड़ेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट ने असर की झांकी दिखा दी है। अमेरिका का दावा है कि एच1बी वीजा का बहुत दुरुपयोग होता है। इसकी शुरुआत उन उच्च कुशल कामगारों को अमेरिका में आने की अनुमति देने के लिए की गई थी, जो उन क्षेत्रों में काम करते हैं, जहां अमेरिकी काम नहीं करते। 100,000 डॉलर के शुल्क के बाद सुनिश्चित होगा कि वास्तव में कुशल लोग ही अमेरिका आएं और अमेरिकी कामगारों का स्थान नहीं लें। ट्रंप का तर्क है कि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड कार्यक्रम के तहत प्रति वर्ष 281,000 लोगों को अमेरिका में प्रवेश मिलता है, तथा ये लोग औसतन प्रति वर्ष 66,000 अमेरिकी डॉलर कमाते हैं तथा सरकारी सहायता कार्यक्रमों का भारी लाभ उठाते हैं। हम इसे बंद करने जा रहे हैं। इस कदम का उन भारतीय कर्मचारियों पर गहरा असर पड़ेगा जिन्हें प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां और अन्य कंपनियां एच1बी वीजा पर नियुक्त करती हैं। ये वीजा तीन साल के लिए वैध होते हैं, जिन्हें तीन साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। आदेश के कुछ घंटों बाद शनिवार को अमेरिका में एच1बी वीजा पर रह रहे भारतीयों में भ्रम व चिंता व्याप गई। कई भारतीयों ने भारत यात्रा की अपनी योजना रद्द कर दी। जो भारत आए हुए थे उनमें जल्द से जल्द लौटने की मारामारी मच गई। हालांकि बाद में कहा गया कि यह शुल्क नये आवेदकों पर ही लागू होगा। पुराने वीजा धारक प्रभावित नहीं होंगे। कांग्रेस पार्टी अमेरिका के फैसले के बाद प्रधानमंत्री मोदी पर हमलावर हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने तल्ख टिप्पणी की कि आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है, उससे भारतीय नागरिकों को दुख हुआ है। गले मिलना, खोखले नारे लगवाना और संगीत कार्यक्रम करवाना कोई विदेश नीति नहीं है। हमें अपने हितों के लिए गंभीर होना होगा।

वैश्विक वर्चस्व की कुंजी ऊर्जा नीतियां

विनीत नारायण

आज की दुनिया में ऊर्जा नीतियां सिर्फ आर्थिक निर्णय नहीं हैं, बल्कि वैश्विक वर्चस्व की कुंजी हैं। जब अमेरिका तेल और गैस पर दांव लगा कर पुरानी राह पर लौट रहा है, वहीं चीन स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को गति दे रहा है। यह विरोधाभास न केवल आर्थिक असंतुलन पैदा कर रहा है, बल्कि भविष्य की तकनीकी दिग्गजों-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-के लिए बुनियादी ढांचे को भी प्रभावित कर रहा है। साइरस जेन्सेन की हालिया वीडियो 'अमेरिका जस्ट मेड द ग्रेटेस्ट मिस्टेक ऑफ द 21वीं सेंचुरी' इस मुद्दे को बेबाकी से उजागर करती है। अमेरिका, जो कभी नवाचार का प्रतीक था, अब अपनी ऊर्जा नीतियों में उल्टा चढ़ाव दिखा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, अमेरिका ने अलास्का में 44 अरब डॉलर का प्राकृतिक गैस प्रोजेक्ट शुरू किया था। जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की योजनाओं को रद्द कर रही हैं, और वी8 गैस इंजनों पर लौट रही हैं। यहां तक कि ईवी खरीद पर टैक्स क्रेडिट भी समाप्त कर दिए गए हैं। यह सब तब हो रहा है, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, और नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का रास्ता दिख रही है। जेन्सेन की वीडियो में साफ कहा गया है कि अमेरिका की यह रणनीति अल्पकालिक लाभ के लिए है। तेल और गैस निर्यात बढ़ाने से तत्काल आर्थिक फायदा तो मिलेगा, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक बाजारों में पीछे धकेल देगा। अमेरिका ने 1950 के दशक में सोलर पैनल विकसित किए थे, 1970 के दशक में लिथियम-आयन बैटरी का आविष्कार किया, लेकिन रोनाल्ड रीगन जैसे नेताओं ने जिमी कार्टर के व्हाइट हाउस सोलर पैनल हटाकर इसकी उपेक्षा की। आज भी वही पुरानी सोच हावी है। परिणामस्वरूप, अमेरिका ईवी निर्यात में मात्र 12 अरब डॉलर और बैटरी निर्यात में 3 अरब डॉलर पर सिमट गया है, जबकि सोलर पैनल निर्यात तो महज 69 मिलियन डॉलर का है। यह भूल सिर्फ आर्थिक नहीं, भू-राजनीतिक भी है। वैश्विक दक्षिण-जो सौर और पवन ऊर्जा के 70 प्रतिशत स्रेतों और महत्त्वपूर्ण खनिजों के 50 प्रतिशत का नियंत्रण रखता है-अब नवीकरणीय ऊर्जा की ओर मुड़ रहा है। अमेरिका का जीवाश्म ईंधन पर फोकस इन देशों को अलग-थलग कर देगा जबकि चीन इनके साथ साझेदारी कर रहा है। वहीं, चीन ने स्वच्छ ऊर्जा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है। 2024 में चीन ने दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा विंड टर्बाइन और सोलर पैनल लगाए। ईवी और बैटरी स्टोरेज में निवेश ने इसे वैश्विक नेता बना दिया है। पिछले साल चीन ने 38 अरब डॉलर के ईवी निर्यात किए, 65 अरब डॉलर की बैटरी बेचीं, और सोलर पैनल के 40 अरब डॉलर के निर्यात किए। स्वच्छ ऊर्जा पेटेंट में चीन के पास 7 लाख से ज्यादा हैं, जो दुनिया के आधे से अधिक हैं। जेन्सेन उद्धृत करते हुए बताते हैं कि चीन की सफलता का राज समन्वित प्रयास है। सीएल के सह-अध्यक्ष शिएन पैन कहते हैं, 'चीन को लंबे लक्ष्य पर प्रतिबद्ध करना मुश्किल है, लेकिन जब हम प्रतिबद्ध होते हैं, तो समाज के हर पहलू-सरकार, नीति, निजी क्षेत्र, इंजीनियरिंग-सभी एक ही लक्ष्य की ओर कड़ी मेहनत करते हैं।' यह दृष्टिकोण अमेरिका की छिटपुट नीतियों से बिल्कुल अलग है। चीन अब वैश्विक बाजारों में फैल रहा है। ब्राजील, थाईलैंड, मोरक्को और हंगरी में ईवी और बैटरी फैक्टरियां बना रहा है।

बुजुर्गों के प्रति हृदय में हर पल हो सम्मान का भाव

योगेश कुमार गोयल

वृद्धजन : हमारी आकांक्षाएं, हमारा कल्याण, हमारे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय लचीले और समतामूलक समाजों के निर्माण, अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को बढ़ावा देने तथा वृद्ध लोगों के अधिकारों और कल्याण को नीति और कार्रवाई का केंद्र बनाने में वृद्धों की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देता है।

भारतीय संस्कृति में सदा से ही बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और क्या हो सकता है! समृद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बोझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं। हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिजनों के अपनेपन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उसी घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की इंसानियत और उनके संस्कार मर चुके हैं।

विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसीलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा देते हुए 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान का शुरू किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसंबर 1990 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष एक अक्तूबर का दिन दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्तूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया। 1991 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था। इस वर्ष 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले

भारतीय समाज में सयुंक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलन के कारण ही परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों को निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं। दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों को बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनके जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी के साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं, ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को इंगित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद 'ग्लोबल एज वॉच इंडेक्स' जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है।

भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली मां और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उत्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकट का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति के जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से शिथिल भी हो जाएं तो परिजनों का कर्त्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए। वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, याद्दाश्त कमजोर पड़ने, भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के साथ-साथ परिजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक समस्या से जूझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है, उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ परि?वारों को लाभ होने की उम्?मीद है लेकिन बुजुर्गों के मामले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता। हालांकि आज कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वृद्धों के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं लेकिन ये संस्थाएं भी अपनों की महसूस होती कमी की भरपाई तो नहीं कर सकती। बहरहाल, वृद्धजनों को अपने परिवार में भरपूर मान-सम्मान मिले, इसके लिए सामाजिक जागरूकता जैसी पहल की सख्त दरकार है ताकि वृद्धों के प्रति परिजनों की सोच सकारात्मक होने से बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसे स्थानों की समाज में आवश्यकता ही महसूस नहीं हो।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

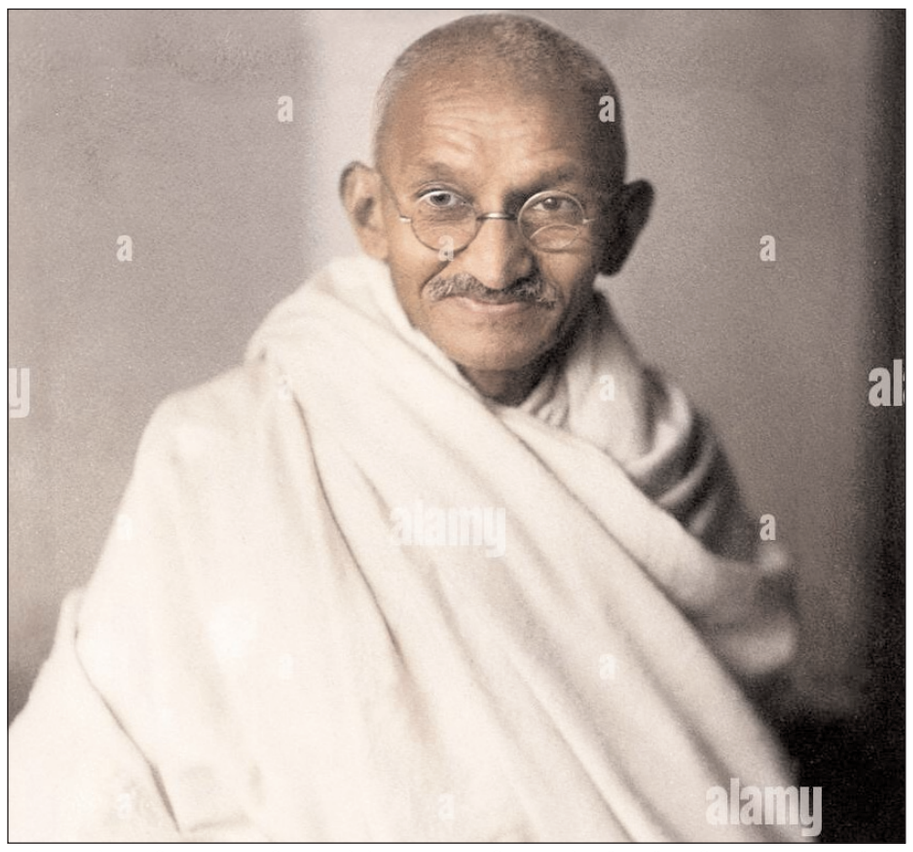

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी-मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट... ।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है,जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

दशहरा (विजयदशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन (क्वार) मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। विजयादशमी हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

विजयादशमी

उत्सव है उमंग और उल्लास का

दशहरे का उत्सव यानी शुभ और शक्ति का समन्वय समझाने वाला उत्सव। नवरात्रि को नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली बना हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए नाच उठे यह बिलकुल स्वाभाविक है। इस दृष्टि से देखने पर दशहरे का उत्सव अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। यदि युद्ध अनिवार्य ही हो तो शत्रु के आक्रमण की राह न देखकर उस पर आक्रमण कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। शत्रु हमारे राज्य में घुसे, लूटपाट करे फिर उसके बाद लड़ने की तैयारी करें इतने नादान हमारे पूर्वज नहीं थे। वे तो शत्रु का दुर्व्यवहार जानते ही उसकी सीमाओं पर धावा बोल देते थे। रोग और शत्रुओं को तो निर्माण होते ही खत्म करना चाहिए। एक बार यदि वे दाखिल हो गए तो फिर उन पर काबू प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। प्रभु रामचंद्र के समय से यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक बना है। भगवान रामचंद्र ने रावण को मात करने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। छत्रपति शिवाजी ने भी औरंगजेब को हैरान करने के लिए इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। हमारे इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। वर्षा की कृपा से मानव धन-धान्य से समृद्ध हुआ हो, उसका मन आनंद से पूर्ण हो, नस-नस में उत्साह के झरने बह रहे हो। तब विजय प्रस्थान करने का मन होना स्वाभाविक है। बरसात के चले जाने से रास्ते का कीचड़ भी सूख गया हो, हवा और तापमान अनुकूल हो, आकाश स्वच्छ हो, ऐसा वातावरण युद्ध में अनुकूलता ला देता है। नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके प्राप्त की हुई शक्ति ही शत्रु का संहार की प्रेरणा देती है। दशहरे पर दुर्गुणों के रावण के अलावा कुरीतियों के रावण भी जलाए जाने चाहिए। तभी दशहरा पर्व सार्थक होगा।

दसों दिशाओं पर विजय का पर्व विजयादशमी

अनेक वर्षों से बुराई व अन्याय के प्रतीक रावण का पुतला विजयादशमी के दिन दहन किया जाता है। विजयादशमी पर्व हमारे जीवन में शक्ति का संचार व विजय की भावना उत्पन्न करता है, साथ ही सदा बुराई, अधर्म व अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा भी देता है।

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक रही है। आज से अनेक वर्ष पूर्व त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने 9 दिन मां भगवती की आराधना उपरांत विजयादशमी के दिन बलशाली रावण का वध कर माता सीता को बंधनमुक्त किया था। भगवान श्रीराम की यह विजय सत्य की असत्य पर, न्याय व धर्म की अधर्म पर, अच?छाई की बुराई पर, पुण्य की पाप पर विजय होने के कारण विजयादशमी महापर्व मनाया जाता है। देवी भगवती के विजया नाम पर दशमी पूर्णातिथि होने के कारण भी विजयादशमी कहा जाता है। आश्विन शुक्ल दशमी को श्रवण का सहयोग होने से विजयादशमी होती है।

'ज्योतिर्निबंध' में लिखा है कि-

'आश्विनस्य सिते पक्षे दशम्यां तारकोदये।
स कालो विजयो ज्ञेयः सर्वाकार्यार्थसिद्धये।।'

अर्था तआश्विन शुक्ल दशमी के सायंकाल में तारा उदय होने के समय विजय काल रहता है, जो सभी कार्यों को सिद्धि प्रदान करता है।

ऋतु परिवर्तन

नवरात्र से ऋतु परिवर्तन की शुरुआत होने लगती है। इन पवित्र दिनों में संयम, सदाचार और ब्रह्मचर्य का व्रत करते हुए शरद ऋतु का स्वागत करना चाहिए और खुद को उसके अनुरूप ढालने का प्रयत्न करना चाहिए।

दशहरा जानिए खरीदी के शुभ मुहूर्त

अहंकार पर विजय का पर्व दशहरा शारदीय नवरात्रि के दसवें दिन आता है। आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी को देशभर दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। इस बार वर्ष 2025में दशहरा या विजयादशमी का पर्व 02 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, दशहरे दिन ही भगवान राम ने लंका के राजा निशाचर रावण का वध किया था। इसी की खुशी में दशमी तिथि को विजयादशमी के पर्व के रूप में मनाया जाता है। युद्ध में विजय के कारण और पांडवों जुड़ी एक कथा के कारण विजयदशमी को हथियार (अस्त्र-शस्त्र) पूजने की परंपरा भी है। दशहरे के दिन अगर किसी को नीलकंठ पक्षी दिख जाए तो काफी शुभ होता है। नीलकंठ भगवान शिव का प्रतीक है जिनके दर्शन से सौभाग्य और पुण्य की प्राप्ति होती है। दशहरे के दिन गंगा स्नान करने को भी बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। दशहरे के दिन गंगा स्नान करने का शुभ फल कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए दशहरे दिन लोग गंगा या अपने इलाके की पास किसी नदी में स्नान करने जाते हैं।

विजया दशमी से जुड़ी 4 विशेष परंपरा

प्राचीनकाल से दशहरा (विजयादशमी) पर अपराजिता-पूजा, शमी पूजन, शस्त्र पूजन व सीमोल्लंघन की परंपरा रही है।

अपराजिता-पूजा

आश्विन शुक्ल दशमी को पहले अपराजिता का पूजन किया जाता है। अक्षतादि के अष्ट दल पर मृतिका की मूर्ति स्थापना करके 'ऊँ अपराजितायै नमः' (दक्षिण भाग में अपराजिता का), 'ऊँ क्रियाशक्तयै नमः' (वाम भाग में जया का), ऊँ उमायै नमः (विजया का) आह्वान करते हैं।

शस्त्र पूजन

शस्त्र पूजन की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। प्राचीन समय में राजा-महाराजा विशाल शस्त्र पूजन करते रहे हैं। आज भी इस दिन क्षत्रिय शस्त्र पूजा करते हैं। सेना में भी इस दिन शस्त्र पूजन किया जाता है।

सीमोल्लंघन

इतिहास में क्षत्रिय राजा इसी अवसर पर सीमोल्लंघन किया करते थे। हालांकि अब यह परंपरा समाप्त हो चुकी है, लेकिन शास्त्रीय आदेश के अनुसार यह प्रगति का प्रतीक है। यह मानव को एक परिधि से संतुष्ट न होकर सदा आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

राक्षस के रूप में क्यों जन्मा रावण?

पुलत्स्य ऋषि के उत्कृष्ट कुल में जन्म लेने के बावजूद रावण का पराभव और अधोगति के अनेक कारणों में मुख्य रूप से दैविक एवं मायिक कारणों का उल्लेख किया जाता है। दैविक एवं प्रारब्ध से संबंधित कारणों में उन शापों की चर्चा की जाती है जिनकी वजह से उन्हें राक्षस योनि में पैदा होना पड़ा। मायिक स्तर पर शक्तियों के दुरुपयोग ने उनके तपस्या से अर्जित ज्ञान को नष्ट कर दिया था। ब्राह्मण कुल में जन्म लेने के बावजूद अशुद्ध, राक्षसी आचरण ने उन्हें पूरी तरह सराबोर कर दिया था और हनुमानजी को अपने समक्ष पाकर भी रावण उन्हें पहचाननहीं सका था कि ये उसके आराध्य देव शिव के अवतार हैं। रावण के अहंकारी स्वरूप से यह शिक्षा मिलती है कि शक्तियों के नशे में चूर होने से विनाश का मार्ग प्रशस्त होता है। भक्त के लिए विनयशील, अहंकाररहित होना प्राथमिक आवश्यकता है।

पौराणिक संदर्भों के अनुसार पुलत्स्य ऋषि ब्रह्मा के दस मानसपुत्रों में से एक माने जाते हैं। इनकी गिनती सप्तऋषियों और प्रजापतियों में की जाती है। विष्णु पुराण के अनुसार ब्रह्मा ने पुलत्स्य ऋषि को पुराणों का ज्ञान मनुष्यों में प्रसारित करने का आदेश दिया था। पुलत्स्य के पुत्र विश्रवा ऋषि हुए, जो हविर्भू के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। विश्रवा ऋषि की एक पत्नी इलबिड़ा से कुबेर और कैकसी के गर्भ से रावण, कुंभकर्ण, विभीषण और शूर्पणखा पैदा हुए थे। सुमाली विश्रवा के श्वसुर व रावण के नाना थे। विश्रवा की एक पत्नी माया भी थी, जिससे खर, दूषण और त्रिशिरा पैदा हुए थे और जिनका उल्लेख तुलसी की रामचरितमानस में मिलता है।

दो पौराणिक संदर्भ रावण की स्थिति को स्पष्ट करने के लिए जरूरी हैं। एक कथा के अनुसार भगवान विष्णु के दर्शन हेतु सनक, सनंदन आदि ऋषि बैकुंठ पधारे परंतु भगवान विष्णु के द्वारपाल जय और विजय ने उन्हें प्रवेश देने से इंकार कर दिया। ऋषिगण अप्रसन्न हो गए और क्रोध में आकर जय-विजय को शाप दे दिया कि तुम राक्षस हो जाओ। जय-विजय ने प्रार्थना की व अपराध के लिए क्षमा माँगी। भगवान विष्णु ने भी ऋषियों से क्षमा करने को कहा। तब ऋषियों ने अपने शाप की तीव्रता कम की और कहा कि तीन जन्मों तक तो तुम्हें राक्षस योनि में रहना पड़ेगा और उसके बाद तुम पुनः इस पद पर प्रतिष्ठित हो सकोगे। इसके साथ एक और शर्त थी कि भगवान विष्णु या उनके किसी अवतारी स्वरूप के हाथों तुम्हारा मरना अनिवार्य होगा।

भगवान विष्णु द्वारा अपने भाई हिरण्याक्ष का वध करनेकी वजह से हिरण्यकशिपु विष्णु विरोधी था और अपने विष्णुभक्त पुत्र प्रह्लाद को मरवाने के लिए भी उसने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। फिर भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार धारण कर हिरण्यकशिपु का वध किया था। खंभे से नृसिंह भगवान का प्रकट होना ईश्वर की शाश्वत, सर्वव्यापी उपस्थिति का ही प्रमाण है।

त्रेतायुग में ये दोनों भाई रावण और कुंभकर्ण के रूप में पैदा हुए और तीसरे जन्म में द्वापर युग में जब भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया, तब ये दोनों शिशुपाल व दंतवक्त्र नाम के अनाचारी के रूप में पैदा हुए थे। इन दोनों का ही वध भगवान श्रीकृष्ण के हाथों हुआ।

त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों से सर्वत्र त्राहि-त्राहि मची हुई थी। रावण का अत्यंत विकराल स्वरूप था और वह स्वभाव से क्रूर था। उसने सिद्धियों की प्राप्ति हेतु अनेक वर्षों तक तप किया और यहाँ तक कि उसने अपने सिर अग्नि में भेंट कर दिए। ब्रह्मा ने प्रसन्ना होकर रावण को वर दिया कि दैत्य, दानव, यक्ष, कोई भी तुम्हें परास्त नहीं कर सकेगा, परंतु इसमें 'नर' और 'वानर' को शुमार नहीं किया गया था। इसलिए नर रूप में भगवान श्रीराम ने जन्म लिया, जिन्होंने वानरों की सहायता से लंका पर आक्रमण किया और रावण तथा उसके कुल का विनाश हुआ। प्रकांड पंडित एवं ज्ञाता होने के नाते रावण संभवतः यह जानता था कि श्रीराम के रूप में भगवान विष्णु का अवतार हुआ है। छल से वैदेही का हरण करने के बावजूद उसने सीता को महल की अपेक्षा अशोक वाटिका में रखा था क्योंकि एक अप्सरा रंभा का शाप उसे हमेशा याद रहता था कि 'रावण, यदि कभी तुमने बलात्कार करने का प्रयास भी किया तो तुम्हारा सिर कट जाएगा।' खर, दूषण और त्रिशिरा की मृत्यु के बाद रावण को पूर्ण रूप से अवगत हो गया था कि वे 'मेरे जैसे बलशाली पुरुष थे, जिन्हें भगवान के अतिरिक्त और कोई नहीं मार सकता था।' रावण एक विचारक व दार्शनिक पुरुष था। वह आश्वस्त था कि यदि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भगवान हैं तो उनके हाथों मरकर उनके लोक में जाना उत्तम है और यदि वे मानव हैं तो उन्हें परास्त कर सांसारिक यश प्राप्त करना भी उचित है। अंततः रावण का परास्त होना इस बात काशाश्वत प्रमाण है कि बुराइयों के कितने ही सिर हों, कितने ही रूप हों, सत्य की सदैव विजय होती है। विजयादशमी को सत्य की असत्य पर विजय के रूप में देखा जाता है। कहते हैं कि भगवान श्रीराम ने त्रेतायुग में नवरात्रि का व्रत करने के बाद ही रावण का वध किया था।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर महासमुंद में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

हर बेटा बेटी श्रवण कुमार जैसा बने,ताकि किसी वृद्ध को वृद्धाश्रम जाना न पड़े

महासमुन्द(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर महासमुंद जिले में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय शंकराचार्य भवन में किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में वरिष्ठ महिला एवं पुरुष शामिल हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, बसना विधायक संपत अग्रवाल,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, कलेक्टर विनय लंगेह, जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद् राठी, जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर,येतराम साहू, पीयूष साहू, प्रकाश शर्मा, आनंद साहू,पंकज चंद्राकर,शरद मराठा एवं समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक सुश्री संगीता सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सांसद एवं मुख्य अतिथि श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि हम सभी आज जिस मुकाम पर हैं, वह हमारे वरिष्ठजनों की शिक्षा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। आपसे हमें क्या सीखना—आप स्वयं समाज के जीवित विश्वविद्यालय हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर मैं माता‌रानी से प्रार्थना करती हूँ कि हमारे सभी वरिष्ठजन स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें। दादा-दादी और नाना-नानी का प्यार और संस्कार सबसे बड़ा पाठशाला है। आज बच्चे मोबाइल की ओर झुक रहे हैं और अपने बुजुर्गों से दूर हो रहे हैं, जो समाज के लिए हानिकारक है। सरकार आयुष्मान वय-वंदन योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से आपके स्वास्थ्य और सुरक्षा की चिंता कर रही है। वरिष्ठजनों की सेवा ही हम सबका असली धर्म है। समारोह को विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि पूरा विश्व आज संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर वृद्धजन दिवस मना रहा है। यह शासन की महत्वपूर्ण पहल है। राज्य सरकार माता-पिता की सेवा और देखभाल को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिमाह ?500 की पेंशन उपलब्ध करा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बच्चों को चाहिए कि वे अंतिम सांस तक अपने माता-पिता को अपने साथ रखें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बसना विधायक संपत अग्रवाल ने कहा कि बच्चे संस्कारित हों और माता-पिता की सेवा करें। हर पुत्र श्रवण कुमार बने ताकि किसी भी वृद्ध को वृद्धाश्रम न जाना पड़े। हमारी सरकार वरिष्ठजनों के लिए तीर्थयात्रा योजना चला रही है और उन्हें धर्म धाम की यात्रा करवा रही है। यह सरकार सच्चे मायनों में श्रवण कुमार की तरह सेवा कर रही है। वरिष्ठजनों को कानूनी न्याय सुलभ है और उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त-खबर

राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या रवाना हुए श्रीराम भक्तों की टोली, पाटन ब्लॉक से 45 लोग शामिल, दुर्ग स्टेशन में मंत्री गजेंद्र यादव ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया

पाटन (समय दर्शन)। अयोध्या में श्री राम लला का दर्शन के लिए भक्तों का एक जत्था दुर्ग स्टेशन से आज रवाना हुआ। जिसे केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। इस धार्मिक यात्रा में पाटन ब्लॉक से भी 45 लोग शामिल है। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत दुर्ग के सभापति नीलम चंद्राकार, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, महापौर अलका बघमार सहित अन्य मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

गरियाबंद (समय दर्शन)। 25वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 5 अक्टूबर से 8अक्टूबर 2025तक रायगढ़ जिला में आयोजित है।जिसमे छत्तीसगढ़ से पांच जोन सम्मिलित होंगे,जिनमें रायपुर,दुर्ग, बिलासपुर,बस्तर और सरगुजा पांच जोन को शामिल किया गया है।उक्त प्रतियोगिता में वॉलीबॉल में अंडर 14 बालक /बालिका ग्रुप को सम्मिलित किया गया है।वॉलीबॉल बालक वर्ग अंडर 14 में गरियाबंद वॉलीबॉल ट्रेनिंग सेंटर गांधी मैदान के खिलाड़ी यश राज साहू,अर्श मेमन,मनीष यादव, अर्जुन बघेल,धनंजय एवम बालिका वर्ग में कु चेष्टा तिवारी का चयन रायपुर जोन की टीम के लिए हुआ है,जो रायगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में अपना खेल का जौहर दिखाएंगे।इनकी इस सफलता के पीछे कोच संजीव साहू नगर खेल द्रोणाचार्य से सम्मानित अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी एवम सूरज राव महाडिक,नन्द कुमार रात्रे का विशेष योगदान है।नगर के खेल प्रेमी,जनप्रतिनिधि , व्यवसायी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर,विकासखंड शिक्षा अधिकारी गजेन्द्र ध्रुव,सहायक क्रीडा अधिकारी उत्तर नेताम,नगर पालिका अध्यक्ष रिखी यादव,पूर्व अध्यक्ष गफ्फार मेमन(गफ्फू) आसिफ मेमन,सुरेन्द्र सोनटेके,विजय सिन्हा,प्रह्लाद ठाकुर(टिंकू)राजेश साहू,रितिक सिन्हा,मनोज खरे,विनय दासवानी, प्रकाश रोहरा,भावेश सिन्हा,अजय रोहरा,अजय दासवानी,ऐश्वर्य यदु,प्राचार्य दीपक बौद्ध सेजस स्टीफैम बर्न एंजल्सएंग्लो,मोहम्मद अख्तर खान, मो.मुजाहिद मनिहार,मोहसिन खान,महेंद्र यादव राष्ट्रीय खिलाड़ी,होरी यादव,रमेश यादव,जीतू सेन द्वारा शुभकामनाएं दिया गया।

रामधुनि के साथ देवी प्रतिमा का विसर्जन

साजा (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्र पर्व में 22 सितम्बर से महानवमी पर्व बुधवार तक भक्तों की आस्था देखने को मिला। भक्तों ने विशेष पूजन-अर्चन के साथ शारदीय नवरात्र पर्व मनाया। महानवमी पर्व पर ग्राम चीजगांव के शीतला चौक में मां जगजननी दुर्गा एवं स्कूल चौक में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गई थी।

बुधवार को सुबह प्रात: कालीन आरती पश्चात् जस सेवा मंडली के साथ विसर्जन के लिए ट्रैक्टर में मां दुर्गा एवं मां सरस्वती की प्रतिमा को रखकर ग्राम के विभिन्न गलियों से होते हुए तालाब पहुंचा । रामधुनि के साथ शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह आरती उतारी व अपनी मनोकामना के लिए प्रार्थना किया। मां शेरावाली एवं सरस्वती प्रतिमा का विसर्जन स्कूल चौक तालाब में किया गया। देवी विसर्जन पश्चात् पुरोहित महाराज चेतन शर्मा, पंडा हालेश्वर मंडावी, गजेंद्र मांडवी, सुखदेव साहू व रामप्रसाद साहू की आरती भी उतारी गई। तत्पश्चात पंडा,बैगा एवं महाराज को रामधुनि के साथ पहुंचाने में गए।

बेलतरा में जोत जवारा विसर्जन के दौरान मधुमक्खियों का हमला

जोत जवारा का विसर्जन किया गया। इसी समय अचानक मधुमक्खी का उड़ान भरते हुए 30 ,35 लोगों को मधुमक्खी अपने डंक के चपेट में ला लिया। ग्रामीण और सरपंच की मदद से तत्काल राहत हेतु दवाई की व्यवस्था कराया गया। हमले के तुरंत बाद साजा बीएमओ द्वारा किसी भी प्रकार से मदद देने से इनकार किया गया, लेकिन पत्रकार बंधु एवं अन्य अधिकारियों के मदद से तत्काल एंबुलेंस बुलाकर सहायता किया गया जिसमें एक ग्रामीण की हालत को देखते हुए साजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

साजा(समय दर्शन)। साजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेलतरा में नवरात्रि पर्व के पावन पर्व पर जोत जवारा का विसर्जित हुआ। मां महामाया मंदिर ज्योति कलश, मां शीतल मंदिर ज्योति क्लास, भूखन लाल साहू घर ज्योति कलश सेवा समिति, श्रद्धालु गण ग्राम वासी के सभी सदस्य गण के सहयोग से मां

बीएसएनएल की रजत जयंती पर प्रेस वार्ता कर बताई उपलब्धियां

बिलासपुर (समय दर्शन)। भारत संचार निगम लिमिटेड़ की रजत जयंती के अवसर पर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह प्रेस वार्ता बीएसएनएल कार्यालय के द्वितीय तल, कॉन्फ्रेंस हॉल टेलीफोन एक्सचेंज रोड, अग्रसेन चौक के पास, टेलीफोन एक्सचेंज जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ में संपन्न हुआ.

इस अवसर पर बीएसएनएल के अधिकारियों द्वारा 25 वर्षों की उपलब्धियाँ एवं सेवाएँ, आगामी योजनाएँ एवं पहल तथा दूरसंचार एवं डिजिटल कनेक्टिविटी की नवीन प्रगति पर चर्चा किया गया. इस दौरान बी.एस.एन.एल. बिलासपुर व्यावसायिक क्षेत्र की उल्लेखनीय उपलब्धियां बताई गई. चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लगभग 37,000 करोड़ की लागत से स्वदेशी तकनीक पर आधारित 97,500 से अधिक मोबाइल 4जी टावरों का दिनांक 27.09.2025 को राष्ट्र को समर्पित किया । भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास पूर्णत: स्वदेशी 4/5जी तकनीकी स्टैक उपलब्ध है। भारत इस श्रेणी में पाँचवा देश है। भारत के अलावा स्वीडन, डेनमार्क, चीन और दक्षिण कोरिया ही टेलीकॉम नेटवर्क के लिए हार्डवेयर के साथ-साथ सॉफ्टवेयर बनाते है । यह उपलब्धि भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाती है और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को नई ऊँचाई प्रदान करती है ।

इस परियोजना के अंतर्गत , 92,600 से अधिक 4जी साइटें भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा स्थापित की गई है।

18,900 से अधिक 4जी साइटें डिजिटल भारत निधि से वित्तपोषित है। इन टावरों के माध्यम से लगभग 26,700 दूरस्थ, सीमावर्ती एवं वामपंथी उग्रवाद प्रभावित गाँवो को जोड़ा गया है।

इससे 20 लाख से अधिक नए उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएँ उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से, ये सभी टावर सौर ऊर्जा से संचालित है, जो इन्हें भारत का अब तक का सबसे बड़ा ग्रीन टेलीकॉम साइट्स क्लस्टर बनाता है। यह सतत् अवसंरचना की दिशा में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्वदेशी 46 सेवाओं के क्षेत्र में, बिलासपुर व्यवसायिक क्षेत्र (बिलासपुर, रायगढ़ एवं सरगुजा प्रचालन क्षेत्र) अब तक 1133 बीटीएस को 4जी में अपग्रेड कर चुका है। फेज IX-2 के तहत 844 मौजूदा टॉवरों में से 791 को स्वदेशी 4जी में अपग्रेड किया गया है, जबकि डिजिटल भारत निधि परियोजना के अंतर्गत 476 टॉवरों में से 342 को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है ।

2024-25 में बिलासपुर व्यवसायिक क्षेत्र में मोबाईल के लगभग 1,54,106 उपभोक्ता जोड़े गये जिसमें 56,495 MNP के माध्यम से अन्य ऑपरेटरों से आये । इस वित्तीय वर्ष में अब तक बिलासपुर व्यवसायिक क्षेत्र ने 36,276 नये मोबाईल कनेक्शन जोडे, जिनमें से 5500 ग्राहक MNP के माध्यम से अन्य ऑपरेटरों से आये है ।

जिला बिलासपुर व्यावसायिक परिक्षेत्र की जनता को 4त्न सेवा का अनुभव कराने के लिए बीएसएनएल ने नये एवं MNP ग्राहकों के लिए केवल 1 रूपये में फीडम प्लान लांच किया था, जिसके तहत ग्राहकों को प्रतिदिन 2 जीबी डाटा/अनलिमिटेड वॉइस कॉल / 100 एसएमएस 30 दिनों की वैधता के साथ 1 अगस्त 2025 से 15 सितम्बर 2025 तक दिया गया। इस फीडम प्लान के तहत बिलासपुर व्यावसायिक परिक्षेत्र में 18877 (अम्बिकापुर-8194, बिलासपुर-6910 एवं रायगढ़-3773) ग्राहक जुड़े है।

बिलासपुर व्यावसायिक परिक्षेत्र में FTTH ग्राहकों की संख्या 12,631 (अम्बिकापुर: 2683, बिलासपुर 6939 एवं रायगढ: 3009) के महत्वपूर्ण आंकडे पर पहुंच गई है। अम्बिकापुर और रायगढ़ ऑपरेशनल एरिया में सभी वायर लाईन ग्राहकों को फाइबर मीडिया पर स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे ग्राहकों को तेज इंटरनेट स्पीड, कम लेटेन्सी और बेहतर सुरक्षा मिल रही है। बिलासपुर में यह कार्य प्रगति पर है।

राजनांदगांव के पटरी पार के खिलाड़ियों ने रचा इतिहास, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चमके

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में राजनांदगांव के पटरी पार क्षेत्र के होनहार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में इन खिलाड़ियों ने स्वर्ण व कांस्य पदक अपने नाम किए। जीत के बाद लौटे खिलाड़ियों के स्वागत में पटरी पार क्षेत्र में ऐतिहासिक सम्मान रैली निकाली गई, जहां फूलों की वर्षा व जयकारों से माहौल गूंज उठा। प्रतियोगिता में चिखली स्कूल मैदान में अभ्यासरत पाँच खिलाड़ियों पुष्पीता साहू, घनिष्ठा साहू, द्विशा निषाद, मोनिष्का विश्वकर्मा और दक्ष चौबे ने भाग लेकर पहली बार एक साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीते। यह अपने आप में पटरी पार क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि रही। 27 से 30 सितंबर तक रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के पांच संभाग रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बस्तर और सरगुजा की टीमें शामिल हुईं। घनिष्ठा साहू ने टूर्नामेंट में 4 गोल कर टीम को जीत दिलाई, वहीं मोनिष्का विश्वकर्मा ने भी 1 गोल कर शानदार प्रदर्शन किया। पुष्पीता साहू ने डिफेंस में मजबूत दीवार बनते हुए कई आक्रमण रोके, जबकि द्विशा निषाद ने गोलकीपर के तौर पर निर्णायक बचाव कर दर्शकों का दिल जीत लिया। दक्ष चौबे ने बालक वर्ग में सबसे कम गोल खाकर गोलकीपिंग में नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रदान किया जा रहा नि:शुल्क हॉकी प्रशिक्षण और खेलो इंडिया के अंतर्गत संचालित विशेष प्रशिक्षण का बड़ा योगदान माना जा रहा है।

प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। यह प्रतियोगिता दिसंबर के अंतिम सप्ताह में मध्यप्रदेश के गुना जिले में आयोजित होगी। प्रतियोगिता से लौटने के बाद पटरी पार क्षेत्र में विजयी खिलाड़ियों के स्वागत में भव्य सम्मान रैली का आयोजन किया गया। क्षेत्रवासियों ने फूल बरसाकर व जयकारों के साथ खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। रैली में युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों का जोश देखने लायक था।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर सांसद संतोष पाण्डेय, महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा, छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, जिला हॉकी संघ सचिव शिवनारायण धकेता, वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा, राजा माखीजा, प्रकाश शर्मा, अजय झा, अनुराज श्रीवास्तव, कोच किशोर धीवर समेत अनेक जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

स्वस्थ नारी से बनेगा सशक्त भारत : नर्सिंग कॉलेज राजनांदगांव में जागरूकता कार्यक्रम

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय द्वारा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत नर्सिंग कॉलेज, राजनांदगांव में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. अतुल मनोहरराव देशकर (अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयए पेंड्री) और विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रकाश खुंटे (सहायक प्राध्यापक, मेडिसिन विभाग) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन 30 सितंबर को दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इस मौके पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती ममता नायक ने कहा, जब महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होती हैं, तभी एक मजबूत परिवार और समाज की कल्पना की जा सकती है।

डॉ. प्रकाश खुंटे ने बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि दिल की धड़कन या सांस रुकने पर सीआरपी (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) से व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

उन्होंने बताया कि सीआरपी की प्रक्रिया में दोनों हाथों की हथेली से छाती पर 30 बार प्रेशर देने के बाद, 2 बार मुंह से सांस दी जाती है। इसे जानना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

कार्यक्रम में डॉ. सौम्या चेलक (एमबीबीएस इंटर्न) ने मैनिकिन पर सीआरपी का लाइव प्रदर्शन कर महिलाओं को यह तकनीक सिखाई।

डॉ. अतुल देशकर ने कहा कि गहरी नींद और संतुलित आहार न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करते हैं। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मानसिक शांति मिलती है।

उन्होंने बताया कि कॉलेज में योगनिद्रा सेंटर की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर की गई है, जहां नर्सिंग सिस्टरों की मदद से इसका संचालन किया जा रहा है।

यह आयोजन राष्ट्रीय पोषण माह और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत किया गया। डॉ. लक्की नेताम और डॉ. सौम्या चेलक इस कार्यक्रम के सह-संयोजक रहे।

राहुल गांधी को खुलेआम जान से मारने की धमकी, नहीं सहेगा हिन्दूस्तान : कुलबीर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भाजपा प्रवक्ता प्रिटू महादेव द्वारा केरल के एक न्यूज चैनल पर लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भयावह और जघन्य मौत की धमकी देते हुए खुलेआम घोषणा की है कि राहुल गांधी के सीने पर गोली मारी जाएगी, जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार 30 सितंबर को कोतवाली थाने में नामजर्द शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने व कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने बताया कि लोकसभा के विपक्ष के नेता और भारत के अग्रणी राजनेता राहुल गांधी पर एक टेलीविजन में बहस के दौरान सोची-समझी और खौफनाक तरीके से प्रिंटू महादेव मौत द्वारा धमकी दे रहे हैं कि राहुल गांधी के सीने पर गोली मारी जाएगी, जो कि पूर्णता गलत है । सत्तारूढ़ दल के एक आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा कहे गए ऐसे जहरीले शब्द न केवल राहुल गांधी के जीवन को खतरे में डालते हैं, बल्कि संविधान, कानून के शासन और हर नागरिक को मिलने वाले बुनियादी सुरक्षा आश्वासन को भी कमजोर करते हैं। यह एक तरह से हिंसा भड़काने के एक बेशर्म कृत्य है। इससे पहले राहुल गांधी की सुरक्षा का दायित्व संभाल रहे केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने उनकी सुरक्षा को खतरे के बारे में बार-बार कई पत्र लिखे हैं।

हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा गया ऐसा ही एक पत्र रहस्यमय परिस्थितियों में मीडिया में लीक हो गया, जिससे ऐसा करने के पीछे की मंशा पर गंभीर सवाल उठते है। इस पृष्ठभूमि में यह केवल चिंताजनक है, बल्कि बेहद निंदनीय भी है कि भाजपा के एक प्रवक्ता ने इतनी हिम्मत दिखाई कि उन्होंने खुलेआम जान से मारने की धमकी दे दी, जिससे राहुल गांधी के खिलाफहिंसा को जायज ठहराने के लिए रची जा रही एक बड़ी भयावह साजिश की बू आती है। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी से जुड़े या समर्थित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए राहुल गांधी को जान से मारने की धमकियां और हिंसा के आव्हान के कई मामले सामने आए हैं। केन्द्र की भाजपा सरकार स्पष्ट करें कि उनका क्या रूख है, क्या खुले तौर पर आपराधिक धमकी, जान से मारने की धमकियां और हिंसा की राजनीति का समर्थन करते है, जो भारत के सार्वजनिक जीवन में जहर घोल रही है।

श्री छाबड़ा ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी और लाखों भारतीय जो राहुल गांधी को अपने अधिकारों के रक्षक के रूप में देखते हैं, उनकी जान को आसन्न खतरे को लेकर बेहद चिंतित है। राहुल गांधी भारत के बहुलवादी मूल्यों के प्रति सेवा और दृढ़ प्रतिबद्धता की जीवंत प्रतिमूर्ति है। वे उस परिवार की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं जिसने इस राष्ट्र के लिए अपार बलिदान दिया है। इंदिरा गांधी से लेकर जिनकी 1984 में राष्ट्रीय एकता की रक्षा करते हुए हत्या कर दी गई थी और राजीव गांधी तक, जो 1991 में शांति और आधुनिकीकरण के प्रयासों के दौरान शहीद हो गए थे। राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, यह उस लोकतांत्रिक भावना पर हमला है जिसका वे प्रतिनिधित्व करते है। यह धमकी किसी छोटे से पदाधिकारी का लापरवाही भरा प्रकोप मात्र नहीं है, यह जान-बूझकर फैलाए गए नफरत के जहरीले माहौल का प्रतीक है, जो विपक्ष के नेता को बिना सोचे.समझे हिंसा का शिकार बना देता है। ऐसे में केन्द्र की भाजपा सरकार की ओर से त्वरित, निर्णायक और सार्वजनिक रूप से कार्रवाई करने में किसी भी तरह की विफलता को विपक्ष के नेता के खिलाफ हिंसा को वैध और सामान्य बनाने के लिए मिलीभगत है। कांग्रेस पार्टी पुलिस को सौंपे ज्ञापन मे तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग करता है ताकि न्याय शीघ्र, स्पष्ट और कठोर हो। सांसद व एआईसीसी महासचिव के सी वेणुगोपाल के द्वारा आधार बिन्दुओं को लेकर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र सौंपकर उचित कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी कुतबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, रूपेश दुबे, डा. आफ्ताब आलम, मेहुल मारू, पूर्व अध्यक्ष दिनेश शर्मा, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, महामंत्री झम्मन देवांगन, फिरोज अंसारी, शरद खंडेलवाल, मोहिनी सिन्हा, उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अलीए दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, सुरेन्द्र देवांगन, संदीप जायसवाल, विशु अजमानी, मधुबाला श्रीवास्तव, संदीप सोनी, हर्ष खोब्रागढ़े, गोपी रजक, मनीष सिमनकर, मामराज अग्रवाल, तौसिफ गोरी, सुरेन्द्र गजभिए, सागर ताम्रकार, राहुल देवांगन, बबलू कसार, शौर्य वैष्णव, रूपेश साहू, अंशल श्रीवास, रौशन परिहार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

खबर-खास

श्री राघव मंदिर में शारदीय नवरात्रि पर भव्य दुर्गा महाष्टमी उत्सव, सामूहिक कन्या भोज और महाआरती में उमड़ा नगर परिवार

दंतेवाड़ा/ किरंदुल (समय दर्शन)। बैलाडीला देव स्थान समिति और गायत्री परिवार किरंदुल के तत्वावधान में श्री राघव मंदिर परिसर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर दुर्गा महाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हवन, पूर्णाहुति, सामूहिक कन्या भोज और 111 दीपक थालियों के साथ भव्य महाआरती का आयोजन किया गया।

नगर परिवार की सुख, शांति, समृद्धि और मंगलकामना के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स, एनएमडीसी प्रबंधन, प्रेरणा महिला समिति, विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, प्रादेशिक संगठनों के अध्यक्ष, सचिव, पदाधिकारी, सदस्यों सहित नगर के समस्त श्रद्धालु भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आदि शक्ति भवानी माता रानी और समस्त दिव्य शक्तियों की महाआरती में शामिल होकर सभी ने पुण्य अर्जित किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

नवरात्रि पर्व पर भव्य आरती और सामूहिक भाजपा प्रवेश

भाटापारा (समय दर्शन)। नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम खपरी (एस) स्थित शिव मंदिर प्रांगण में साहू समाज नवयुवक दुर्गोत्सव समिति द्वारा माँ दुर्गा की भव्य आरती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सम्मिलित हुए और विधिवत पूजा-अर्चना कर नगरवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की। इस अवसर पर नेतृत्व में नरेंद्र सेन, बृजेश निषाद, मीत साहू, केशव साहू, ग्राम सरपंच धनेंद्र यादव, जनपद प्रतिनिधि दीपक नेताम, संतोष साहू, रूपराम साहू (अध्यक्ष साहू समाज), सुरेंद्र ठाकुर, आतुराम ध्रुव, युवराखन साहू, दौलत साहू, रामेश्वर साहू, खोमेश साहू, भोलाराम साहू, पिलाराम साहू, चंद्रशेखर साहू, रंजीत साहू, बुधराम साहू, दिलीप साहू, रेवाराम साहू, विशम्भर यादव, सोहन यादव, लीलाराम यादव, द्वारिका ध्रुव, मालिक राम साहू, गोकुल साहू, पिलाराम साहू, धनेश राम साहू और पंच राम बैगा एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे। मोदी सरकार एवं विष्णुदेव साय जी की जनकल्याणकारी नीतियों और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा के प्रेरणादायी नेतृत्व से प्रभावित होकर सामूहिक रूप से भाजपा प्रवेश का आयोजन भी हुआ। युवा नेता रोहित साहू के नेतृत्व में सहित लगभग 40 नागरिकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी नवप्रवेशकों ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महासमुन्द के लॉन टेनिस खिलाड़ियों ने जीता 13 गोल्ड मेडल

महासमुन्द(समय दर्शन)। राज्य स्तरीय लॉन टेनिस एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन भिलाई दुर्ग में दिनांक 25 से 28 सितंबर तक अंडर 14,17,19 वर्ष बालक एवं बालिका वर्ग में आयोजित किया गया। जिसमें रायपुर संभाग से बागबाहरा एवं महासमुंद के लॉन टेनिस में 13 खिलाड़ी एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता में 02 खिलाडी शामिल हुए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के परिणाम - 14 वर्ष में नूर सागर पटेल पिता मुरलीधर पटेल सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, अमन साहू पिता संतोष साहू सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, ओजश यादव पिता रोहित यादव सेजेस अंग्रेजी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, रिया साहू पिता नरेंद्र साहू सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, सिद्रा पिता सम्मीउलहक सिद्धिकी गुड सेफर्ड स्कूल महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, 17 वर्ष में आशीष देवांगन पिता विष्णू सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता केशव साहू पिता नरेन्द्र साहू सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, उमेश्वरी विश्वकर्मा पिता लीलाधर विश्वकर्मा सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, मुस्कान निषाद पिता पवन निषाद सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, 19 वर्ष में नवीन यादव पिता रोहित यादव सेजेस अंगेजी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, महफूज सिद्धिकी पिता सम्मीउलहक सिद्धिकी गुड़ शेफर्ड महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, गौतम साहू पिता मनोज साहू सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द ने स्वर्ण पदक जीता, टीकेश्वरी साहू पिता मनोज साहू परसूली बागबाहरा ने स्वर्ण पदक जीता। राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के 14 वर्ष में बालिका वर्ग में सेजेस हिन्दी विद्यालय महासमुन्द के खिलाड़ी चारु सिंह बेलदार एवं ओमिशा पटेल की भागीदारी रहीं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के महासमुंद जिले ने लॉन टेनिस प्रतियोगिता के टीम इवेंट में 13 गोल्ड मेडल जीता।

ट्राईफेड प्रबंध संचालक एम.राजमुरुगन ने जिले में आदि कर्मयोगी अभियान की ली समीक्षा बैठक

अधिकारियों को सहभागी और व्यवहारिक विलेज एक्शन प्लान बनाने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत संचालित आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा बैठक आज कलेक्टर सभाकक्ष गरियाबंद में संपन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता अभियान के राज्य प्रभारी एवं ट्राइफेड भारत सरकार के प्रबंध संचालक एम.राजमुरुगन (आईपीएस) ने की। बैठक में कलेक्टर बी एस उईके,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर,अपर कलेक्टर नवीन भगत सहित विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया गया कि जिले के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों एवं विशेष पिछड़ी जनजाति (कमार) बहुल ग्रामों में विभिन्न विभागों की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अभियान के तहत गरियाबंद जिले के ग्रामों को विकास योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। श्री राजमुरुगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विलेज एक्शन प्लान सहभागी और व्यवहारिक हो तथा अधोसंरचना विकास के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य,महिला एवं बाल विकास,कौशल उन्नयन एवं रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं की सहभागिता से तैयार की जा रही विकास योजनाएँ वर्ष 2030 तक स्थायी विकास की आधारशिला सिद्ध होंगी।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि जिले के ग्रामों का विलेज एक्शन प्लान तैयार कर लिया गया है तथा शेष ग्रामों का कार्य शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा। 2 अक्टूबर से आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में इन योजनाओं को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य प्रभारी श्री राजमुरुगन ने जिले में अभियान के तहत की गई अब तक की प्रगति की सराहना की और बेहतर समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने फील्ड स्तर पर कार्यरत कर्मयोगियों और अधिकारियों को उनकी सक्रिय भूमिका के लिए बधाई दी।बैठक में आदिवासी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य,पंचायत एवं ग्रामीण विकास,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,खाद्य,राजस्व,विद्युत,पशुपालन,मत्स्य पालन तथा अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्रद्धा व धूमधाम से हुआ जवारा विसर्जन, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल..माँ का हुआ विशेष श्रृंगार

नवरात्र के अंतिम दिन गाजे-बाजे के साथ हुआ जवारा का विसर्जन

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर के शीतला मन्दिर में नौ दिन तक चले नवरात्र सेवा व उत्सव का समापन बुधवार को ज्योत जवारा विसर्जन के साथ छीन तालाब में सम्पन्न हुआ।शहर के अलग-अलग मोहल्लों से महिला और पुरुष सफेद कपड़े पहनकर ज्योत और जवारा विसर्जन करने के लिए निकले।माता के भक्तों ने उन्हें भक्तिभाव के साथ विदा किया।माता के जसगीतों की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए,नवरात्र के अष्टमी पर मंगलवार को दुर्गा पंडालों में सुबह से ही हवन पूजन शुरू हो गया था जो देर रात तक दुर्गा पंडालों में हवन पूजन चलता रहा।वहीं अष्टमी पर देवी मंदिर प्रसाद चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।वही बुधवार को स्थानीय शीतला मंदिर के प्रज्वलित ज्योत दीपो के साथ ज्वारा विसर्जन को लेकर महिलाएं,युवतियां और बालिकाएं अपने सिर पर जवारे रखे निकलीं।शहर के देवालयो से जवारे शीतला मंदिर धूमधाम से पहुंचे जहां पूजन अर्चन किया गया।

सुबह एक बजे से विसर्जन के लिए लंबी लाइन में छिंद तलाब तक श्रद्धालुओं द्वारा स्थापित किया गया हजारों मनोकामना ज्योति जवारे कलश का विसर्जन विशेष पूजा आरती के पश्चात 1 बजे मन्दिर प्रांगण से निकालकर समीप के छिंद तलाब में बड़े ही धार्मिक वातावरण के बीच किया जाएगा।वही इस वर्ष नगरपालिका परिषद के द्वारा ज्योत कलश सिर में रखी माताओं बहनों के लिए विशेष व्यवस्था कर ज्वारा विसर्जन के पश्चात नाश्ता व नीबू के मीठे पानी की व्यवस्था किया गया था।जिसे अन्य भक्तों ने भी ग्रहण किया,इस व्यवस्था के लिए पालिका परिषद से विशेष टीम बनाया गया था ताकि शरबत नास्ता सभी तक पहुच सके,साथ ही सुभाष चौक में श्रीराम राज युवा संगठन के द्वारा आमलोगों के लिए ठंडा पानी की विशेष व्यवस्था किया गया था।ज्योत जवारा विसर्जन में किसी तरह की अव्यवस्था न हो और यातायात निश्चित करने के लिए पुलिस बल शीतला मन्दिर से तालाब तक लगाए गए थे।

एक्सिस बैंक के विरोध में किया गया पुतला दहन

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। पुतला दहन, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा एक्सिस बैंक का विश्व हिंदू परिषद दुर्ग जिला जिला मंत्री रामलोचन राकेश तिवारी ने बताया कि एक्सिस बैंक के द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर दूसरे धर्म का प्रचार करके हिंदू समाज का अपमान किया है। क्या एक्सिस बैंक कभी दूसरे धर्म के त्योहार पर वह हिंदू समाज का ऐड लगाते हैं।

हर बार देखा जाता है हिंदू त्योहारों पर जहादी मानसिकता और धर्मांतरित मानसिकता के लोग हिंदू धर्म को नीचा दिखाने का काम करने के उद्देश्य से एड बनाकर चलाते हैं। एक्सिस बैंक यह दूषित मानसिकता के विरोध में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने एक्सिस बैंक का पुतला दहन किया गया। स्थान एक्सिस बैंक जीवन प्लाजा सिटी कोतवाली के पास इस कार्य एवं मुख्य रूप से उपस्थित थे। विश्व हिंदू परिषद दुर्ग जिला जिला मंत्री रामलोचन राकेश तिवारी, जिला सह मंत्री जीवेश उपाध्याय ,जिला विशेष संपर्क प्रमुख हितेंद्र राजपूत, जिला समरसता प्रमुख दीपक वर्मा, बजरंग दल विभाग सयोंजक सौरभ देवांगन, जिला सयोंजक खेमलाल सेन, सह सयोंजक मंगल राजपूत, टिक्कू निषाद,विद्यार्थी प्रमुख युवराज शर्मा,मिलाप निषाद,विक्की ठाकुर, दुर्ग नगर संयोजक बलदाऊ साहू, भिलाई नगर सहसंयोजक नागेश्वर यादव, दुर्ग सुरक्षा प्रमुख चमन कुंभकार, लिलेश सिन्हा, विद्यार्थी प्रमुख वंश राजपूत, यशराज साहू, ऋतिक मार्कण्डेय, भोलेश मिश्रा, नर्सिंग सिन्हा, शुभम खरोले, रोशन गुप्ता, तोरण ढीमर, शिबू यादव, चिंटू शर्मा, राजू साहू, खिलेश्वर साहू, तुषार यादव, ओमप्रकाश यादव, मुकेश वर्मा सौरभ साहू, लेखराम सहित सैकड़ों की संख्या में बजरंगी उपस्थित रहे।

बड़े बचेली में स्वच्छता और सौंदर्यकरण की पहल, माता मंदिर के पास कूड़ेदान हटाकर बनाया गया आकर्षक स्थल

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। बड़े बचेली नगर पालिका के वार्ड 05 में आरईएस कॉलोनी के माता मंदिर के समीप वर्षों से मौजूद सीमेंट के कूड़ेदान को हटाकर नगर पालिका ने स्वच्छता और सौंदर्यकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह कूड़ेदान बदबू और अस्वच्छ वातावरण का कारण बनता था, जिसके खिलाफ कॉलोनीवासी और ग्रामीण, जो इस मार्ग से शहर में प्रवेश करते हैं, लंबे समय से शिकायत कर रहे थे। कॉलोनीवासियों ने कई बार लिखित रूप में कूड़ेदान हटाने की मांग की थी। राज्य शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार, स्वच्छता के रजत जयंती अवसर पर नगर के सभी कूड़ेदानों को चिह्नित कर गूगल मैप में दर्ज करने और सौंदर्यकरण के लिए कदम उठाने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके तहत, नगर पालिका बड़े बचेली ने कूड़ेदान को हटाकर क्षेत्र में आकर्षक वॉल पेंटिंग, बैठक के लिए कुर्सियों की व्यवस्था और स्वच्छता दीदियों द्वारा कबाड़ से जुगाड़ की अनूठी प्रदर्शनी प्रस्तुत की। इस कार्य की सराहना करते हुए कॉलोनीवासियों और ग्रामीणों ने नगर पालिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने की इस पहल की प्रशंसा की और बैठक व्यवस्था के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। यह पहल बड़े बचेली को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नौंवे दिवस पर लक्ष्मण शक्ति, कुम्भकर्ण वध, मेघनाद वध की दिखाई गई लीला, दर्शको की रही भीड़

भाटापारा(समय दर्शन)। आदर्श रामलीला नाटक मंडली के नौंवे दिवस पर रामलीला में लक्ष्मण शक्ति, कुंभकरण वध, मेघनाथ वध, की शानदार लीला दिखाई दी। दर्शकों की भीड़ उमड़ी लीला देखने।लक्ष्मण शक्ति एवं कुंभकरण-लक्ष्मण युद्ध में शानदार ग्राफिक्स के माध्यम से दर्शाया गया दृश्य। हनुमान के रूप में नजर आए लव शर्मा, मेघनाथ की भूमिका निभाई जगदीश वैष्णव ने, वही कुंभकरण की भूमिका अभी अग्रवाल ने निभाई, रावण के रूप में नजर आए श्याम माल एवं सभी कलाकारों ने बेहतर प्रदर्शन कर शानदार रामलीला की प्रस्तुति दी, 106 वे वर्ष की शानदार लीला के बचे मात्र तीन दिन, जिसमे रावण वध की लीला के साथ पूरे दिनों के रामलीलाओं का मंचन संछिप्त में दशहरा मैदान रावण भाठा में दिखाया जाएगा शाम 4 बजे से 2 अक्टूबर को।आदर्श रामलीला नाटक मंडली के 106 वर्ष के नौंवे दिवस मंचन में भगवान की आरती में सिंधी समाज, सदर बाजार व्यापारी संघ ने पूजा अर्चना की । इन्दर थारानी, राकेश ईदवानी, अखिलेश जिंदाणि ने संबोधन में रामलीला के बाल कलाकारों की सराहना की, एवं पालको को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं रामलीला को भाटापारा का धार्मिक गौरव बताया, एवम अपने बचपन के दिनों की रामलीला को याद किया । आज के आरती कार्यक्रम में संरक्षक अनिल चांडक, सत्यनारायण जोशी, संतोष अग्रवाल, सिंधी समाज के राजेश छाबड़िया, सुदामा मंधान, अमर छाबड़िया, वेद प्रकाश थाराणी, महेश मंधान, सदर बाजार व्यापारिक संघ से तेज प्रकाश जैन, प्रदीप टाटिया, पंकज गुप्ता, गज्जू जाधव, शिवकुमार दम्मानी, वल्लभ लाहोटी, अमित जैन, भूपेंद्र सोनी एवँ सीताराम जी पटाक उपस्थित थे। सदर बाजार व्यापारी संघ के द्वारा आदर्श रामलीला नाटक मंडली के मंच पर काम करने वालो कलाकारों को

कृषि स्थायी समिति के सभापति और सांसद प्रतिनिधि द्वारा बीज प्रक्रिया केन्द्र का अवलोकन

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में स्थित बीज प्रक्रिया केन्द्र रुआबांधा का कृषि स्थायी समिति, जिला पंचायत दुर्ग के सभापति श्रीमती नीलम चंद्राकर एवं सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश चंद्राकर द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने रबी में भंडारित होने वाले चना बीज की पैकिंग प्रक्रिया, विभिन्न गोदामों में भंडारित गेहूं, चना, तिवड़ा, सरसो, अलसी, कुसुम आदि के संशाधित/पैक्ड बीज की भौतिक स्थिति, खरीफ2025 में पंजीकृत कृषकों एवं रकबा की विस्तृत जानकारी, रबी 2025 में जिले में भंडारित होने वाले बीजों का लक्ष्य, उपलब्धता, कमी/अधिकता विषयों पर विस्तृत चर्चा की। जिले के उप संचालक कृषि श्री संदीप भोई द्वारा रबी में प्रस्तावित बीज उत्पादन कार्यक्रम एवं विभिन्न बीजों के भंडारण कार्यक्रम प्रस्तावित विभागीय योजनाओं के अंतर्गत फसल प्रदर्शन से अवगत कराया गया।

।। न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.)।।
// सूचना //

मामले का विषय- अपील प्रकरण
मामला का क्रमांक-38/अ-70/ वर्ष 2024-25
पक्षकार - भिलाई बिल्डर्स प्रा. लि. द्वारा डायरेक्टर गुलाब जैन
विरूद्ध तिरथ एवं 40 अन्य

1. तिरथ पिता किशोरी यादव, 2. गोपाल पिता खोरबाहरा, 3. छोटू पिता शत्रुहन ढीमर, 4. सविता पिता तारजन देवांगन, 5. राका कण्डरा पिता दूज कण्डरा, 6. दिनेश पिता गंगा राम ढीमर, 7. दीपक पित्ता भुवन ढीमर, 8. सागर मरकाम पिता नारायण गोड़, 9. कीर्ति साहू जौजे सुनील साहू, 10. महावीर पिता छुकालू कंडरा, 11. अशोक पिता हलाल कोष्टा, 12. देवी यादव, 13. कमलेश पिता अंजोरी सारथी, 14. पवन पिता बगस कंडरा, 15. रामकुमार आ. राधेलाल देवांगन, 16. पूजा सोनकर आ. महावीर सोनकर, 17. पूनम सिंह आ. कमल सिंह राजपूत, 18. सुरुज आ. मदन लाल निर्मलकर, 19. अजय पिता रामदास निर्मलकर, 20. जानकी जौजे कार्तिक राम धोबी, 21. उत्तम पिता खोरबाहरा कण्डरा, 22. सुशील आ. चन्द्रशेखर विश्वकर्मा, 23. रमेश पिता भीखम राजपूत, 24 शांति आ. खेमलाल, 25. कुसुम जौजे मुरली ढीमर, 26. दशरथ पिता प्यारे लाल, 27. राजकुमार पिता बंशी ढीमर, 28. रतिराम पिता इश्वरी यादव, 29. विक्की पिता महादेव पटौदी, 30. अमृत बाई जौजे भुरवा मरकाम, 31. शेखर पिता शंकर ढीमर, 32. जेठू आ. तिजउ साहू, 33. अनिल पिता यशवंत साहू, 34. सावित्री जौजे हीरा लाल बंछोर, 35. झाड़ू पित्ता बिसरू ढीमर, 36. राधेश्याम कंडरा पिता भूषण कंडरा, 37. कपूर आ. सोनाहू कंडरा, 38. ओमप्रकाश पिता महाराज तिवारी, 39. ज्योति जौजे नरसिंह यादव, सभी निवासी बेलदार पारा नयापारा दुर्ग तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.).

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी भिलाई बिल्डर्स प्रा. लि. द्वारा डायरेक्टर गुलाब जैन आ. स्व लालचंद जैन वर्तमान पता-चौबे कालोनी रायपुर स्थानीय पता-शनिचरी बाजार दुर्ग तह व जिला-दुर्ग के द्वारा अधीनस्थ अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग के रा. प्र. क्र. 202306100400087 अ-70 वर्ष 2022-23 में पारित आदेश दिनांक 23.09.2024 के विरूद्ध छ.ग.भूरा संहिता 1959 की धारा-44 (2) के तहत अपील प्रकरण प्रस्तुत किया गया है।

उपर्युक्त मामले की सुनवाई तिथि 20.11.2025 दिन-गुरुवार को दोपहर 11.30 बजे स्थान-न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग दुर्ग में होगी।

अतः सुनवाई तिथि में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत सुनवाई तिथि में उपस्थित नहीं होने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

जारी दिनांक 25.09.2025

मुहर

आयुक्त
दुर्ग संभाग, दुर्ग

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि, मै शेखर सोनी पिता लाला राम सोनी, उम्र 58 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 21, शासकीय विद्यालय के पास, मेन रोड कुरूद, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूँ, यह कि मेरे शैक्षणिक अभिलेख, मतदाता परिचय पत्र एवं शाला दाखिला में मेरा नाम प्रभाकर पिता लालाराम सोनी दर्ज हो गया है, जो गलत नाम है। पूर्व में मेरा नाम प्रभाकर पिता लालाराम सोनी था। जिसे मैने अपना नाम परिवर्तित कर शेखर सोनी पिता लालाराम सोनी कर लिया है, जो कि मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में दर्ज है, अब मेरा वास्तविक नाम शेखर सोनी (**SHEKHAR SONI**) है, जो कि सत्य व सही है। उक्त प्रभाकर एवं शेखर सोनी दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे ही नाम है। मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजों व अन्य समस्त अभिलेखों पर जहां-जहां मेरा नाम प्रभाकर दर्ज है इसके स्थान पर वह अपना सत्य वास्तविक एवं पूर्ण नाम शेखर सोनी (**SHEKHAR SONI**) के रूप में सुधार / दर्ज करवाना चाहता है। जिसके संबंध में श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग (छ ग.) के समक्ष एक शपथपत्र भी निष्पादित करवा चुका है तथा छ.ग. गजट मे भी नाम सुधार हेतु प्रकाशन करवाना चाहता है। भविष्य मे मुझे शेखर सोनी (**SHEKHAR SONI**) के नाम से जाना, पहचाना, लिखा, पढ़ा, समझा, संबोधित किया जाएगा और भविष्य मे मेरे समस्त शासकीय, अशासकीय दस्तावेजों मे उसका सही नाम शेखर सोनी (**SHEKHAR SONI**) दर्ज करवाना चाहता है।

भवदीय
शेखर सोनी पिता लाला राम सोनी
वार्ड नं. 21, शासकीय विद्यालय के पास, मेन रोड कुरूद, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

किरंदुल की शाही डांडिया संध्या का समापन: परंपरा, उमंग और रंगारंग उत्सव का जश्न

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। डांडिया आयोजन समिति, किरंदुल द्वारा आयोजित दो दिवसीय डांडिया नाइट्स का भव्य लार्जर दैन लाइफ समापन 29 सितम्बर 2025 की रात रंग, रौनक और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच हुआ। पूरे नगर में गरबे की गूंज और झिलमिलाती रोशनी से सजी यह रात हर किसी को मंत्रमुग्ध कर गई।

यह शानदार आयोजन का सातवां वर्ष श्री राघव मंदिर परिसर में हुआ, जहां पारंपरिक साज-सज्जा और झिलमिल रोशनियों ने वातावरण को और भी मोहक बना दिया। आकर्षक प्रतियोगिताओं से सजी इस रात में तीन टीमों ने अपना दमखम दिखाया, जिसमें जबरदस्त मुकाबले के बाद आर.के. ग्रुप ने विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम को ?11,001 ,तथा किंजल ग्रुप को द्वितीय 5001 नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बेस्ट कपल, बेस्ट सोलो डांसर और बेस्ट कॉस्ट्यूम जैसी कैटेगरीज में भी प्रतिभागियों को ट्रॉफी और उपहार देकर सराहा गया। समिति के अध्यक्ष गौरी शंकर तिवारी ने आयोजन में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने तथा आयोजन के संरक्षक मंडल एवं पूरे नगरवासियों का तहेदिल से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस आयोजन की सफलता आप सबकी भागीदारी से ही संभव हो पाई। वहीं समिति की सचिव पूर्णिमा अवस्थी ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि किरंदुल की यह रात यादगार बन गई।

पुरस्कार वितरण का गौरव नगरपालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, वरिष्ठ समाजसेवी मीरा तिवारी और समाजसेवी पंकज सिन्हा ने संयुक्त रूप से निभाया। मंच पर समिति की पूरी टीम ङ्क थानेश्वर जोशी, सुनील गुप्ता, मोहित धवन, तुलसी यादव, कंचन शर्मा, सौरव सोनी और बी. उद्देश भी मौजूद रहे। इस अवसर पर थानेश्वर जोशी ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग को विशेष धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान एसबीआई किरंदुल के शाखा प्रबंधक उत्कर्ष देवांगन को उनके विशेष सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। रंग-बिरंगी रोशनियों, गरबे की धुन और मनमोहक परिधानों के बीच सजी यह डांडिया नाइट श्री राघव मंदिर परिसर को देर रात तक झूमने पर मजबूर करती रही। नगरवासियों ने कहा ङ्क ऐसी रात बार-बार आए और दिलों में यूं ही डांडिया का जादू बरकरार रहे!

पारिवारिक विवाद के चलते एस पी कार्यालय में शिकायत

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के ग्राम भसेरा में मारपीट प्रताड़ना और पारिवारिक विवाद का मामला अब बड़े बवाल में तब्दील हो गया है,इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंच गया ।गत हो कि तनुजा साहू नामक नवविवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष ससुर नारायण साहू,सास सुमित्रा साहू और ननद राधा साहू पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है ।वहीं दूसरी ओर ससुराल पक्ष ने भी पलटवार करते हुए काउंटर केस दर्ज करा दिया है ।वही तनुजा का कहना है कि 6 नवम्बर 2024 को शादी के बाद से ही उन्हें लगातार दहेज की मांग,गाली-गलौज और मारपीट का सामना

करना पड़ा ।आरोप है कि गर्भवती होने के बावजूद उनके साथ जानलेवा हमला तक किया गया ।यहां तक कि घर का सामान,बर्तन और बिस्तर भी छीन लिया गया ।साथ ही गांव की बैठकों में उन्हें बार-बार बुलाकर अपमानित किया गया ।12 अगस्त 2025 को जब तनुजा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई,तो भी न्याय नहीं मिला ।उल्टा,पुलिस अधिकारियों पर भी ससुराल पक्ष का साथ देने और धमकाने के आरोप लगे ।तनुजा ने दावा किया कि 1 अक्टूबर 2025 को सुबह उनके पति विष्णु साहू को पुलिस थाने ले गई। जब उन्होंने कारण पूछा तो उल्टे उन्हें ही ल गाली गलौज और 'अनपढ़' कहने का आरोप लगाकर डराया गया।

तनुजा की शिकायत के बाद ससुराल पक्ष ने भी काउंटर केस दर्ज करा दिया है ।उनका कहना है कि बहू द्वारा लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं।

ग्राम भसेरा और थाना परिसर में इस विवाद ने तनाव का माहौल पैदा कर दिया है ।लोग दो गुटों में बंट गए हैं और लगातार चर्चाएं गरमा रही हैं।

थाना प्रभारी गौतम चंद गांवडे ने कहा कि दोनों पक्षों का पारिवारिक विवाद है उन्हें आपस में समझौते के लिए ग्रामीणों के सामने बोला गया लेकिन वे नहीं माने ।पहले प्रार्थी के द्वारा अपने सास ससुर और ननद के ऊपर आरोप लगाया गया,उनके खिलाफ केश दर्ज कर लिया गया,उसके बाद प्रार्थी के सास ससुर के द्वारा प्रार्थी के ऊपर आरोप लगाए है,जिससे प्रार्थी के खिलाफभी रिपोर्ट दर्ज है ।इस स्थिर दोनों पक्षों के खिलाफकेस दर्ज किया गया।

संक्षिप्त-खबर

मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम शुरू

दुर्ग (समय दर्शन)। नवरात्रि पर्व पर मां दुर्गा प्रतिमा की नौ दिनों तक विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के बाद नवमी पर्व पर बुधवार को प्रतिमा विसर्जन का क्रम शुरू हुआ। विभिन्न दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी व सदस्य मां दुर्गा की प्रतिमा लेकर गाजा बाजा के साथ सिविललाइन कसारीडीह स्थित शीतला तालाब पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारे से पूरा क्षेत्र गूंजयमान रहा।

जिला अस्पताल में मेगा हेल्थ कैंप आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला अस्पताल गरियाबंद में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान स्वस्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्धजनों,नेत्र रोगियों, शल्य चिकित्सा,मुख स्वास्थ्य,बाल रोग, अर्थोपेडिक्स,नाक कान गला रोग,क्षयरोग,कुष्ठ, मधुमेह,रक्तचाप सहित अनेक रोगों के परीक्षण तथा पैथोलॉजी जांच का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।इस दौरान लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विविध स्वास्थ संजीवनी जानकारियाँ प्रदान की गईं,जिससे वे अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकें। यह कार्यक्रम जिले के सभी वर्गों के नागरिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण प्रयास है,जो स्वास्थ्य सुरक्षा और रोग निवारण को प्राथमिकता देता है ।इस प्रकार के सामूहिक परीक्षण व जागरूकता शिविर के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दे रहे हैं ।इस अवसर पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग गरियाबंद द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे भी ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेकर अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में टीबी मरीजों को सुपोषण आहार युक्त फूड बास्केट भी वितरित किया गया। मेगा हेल्थ कैंप में जिला चिकित्सालय गरियाबंद के सिविल सर्जन डॉ.यशवन्त कुमार ध्रुव, वरिष्ट सर्जन डॉ.हरीश चौहान,ई एन टी विशेषज्ञ डॉ. अमन कुमार हुमने,पैथोलॉजिस्ट डॉ.अग्रवाल, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.जी.एस.ध्रुव,शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. बिनकर,अस्पताल सलाहकार डॉ शंकर पटेल, बीपीएम शेखर ध्रुवे आदि थे।

शीतला मंदिर में नवमी पर्व पर ज्वारा विसर्जन शोभायात्रा के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

दुर्ग (समय दर्शन)। मां सतरूपा शीतला मंदिर सिविललाइन कसारीडीह में नवरात्र का पर्व पूरे श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। बुधवार को नवमी पर्व पर ज्वारा विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा मंदिर से निकलकर आसपास के क्षेत्र का भ्रमण कर शीतला तालाब पहुंची, जहां पूरे विधि विधान के साथ ज्योत जवारा का विसर्जन किया गया। विसर्जन शोभायात्रा में झांकियां आकर्षण का केंद्र रही, वहीं शीतला माता के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजयमान रहा। विसर्जन शोभायात्रा के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाप्रसादी ग्रहण करने श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे। इसके पहले मंगलवार को महाअष्टमी पर्व पर मंदिर में हवन पूजन किया गया। हवन पूजन में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर पूर्णाहुति दी। शाम को माता स्वरूप कन्याओं को पूरे विधि विधान के साथ कन्या भोजन कराया गया।

विसर्जन शोभायात्रा के दौरान मां सतरूपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, सचिव प्रदीप देशमुख, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र धर्माकर, संयुक्त सचिव श्रीमती चंपा साहू, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, श्रीमती पुष्पा श्रीवास, मंदिर समिति के वरिष्ठ सदस्य भीखम साहू, कृष्ण देशमुख, भारतेंदु गौतम, गणेश निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, हेमसिंह ठाकुर, राजा ठाकुर, राजू निर्मलकर, राजेश साहू, ईश्वर अग्रवाल, श्रीधर भजने के अलावा अन्य सदस्य व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने जनता को किया सतर्क, कहा- 'साइबर अपराध से बचें'

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पुलिस और महासमुंद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता पखवाड़ा अभियान को बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का सशक्त समर्थन मिला है। साइबर जागरूकता पखवाड़ा के अवसर पर बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आम जनता को संबोधित करते हुए साइबर सुरक्षा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस एवं महासमुंद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को समय की आवश्यकता बताते हुए इसे एक सराहनीय पहल कहा।

उन्होंने आम जनता को साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से बचने के लिए सतर्क रहने का आह्वान किया। विधायक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। एक क्लिक की गलती पड़ सकती है भारी, सतर्कता ही सुरक्षा है। साइबर जागरूकता पखवाड़ा के दौरान जनता को जागरूक करते हुए कहा कि आज के समय में हम सभी डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधियों का खतरा भी बढ़ गया है। यह अभियान समय की मांग है और महासमुंद पुलिस का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होने आगे कहा कि आज हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया ,ये सभी सुविधाएँ हमारे जीवन को सरल बनाती हैं, लेकिन इनके साथ ही साइबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। एक छोटी सी लापरवाही, एक गलत क्लिक, हमें भारी नुकसान पहुँचा सकती है। इसलिए मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि सतर्क रहें, जागरूक रहें। आपको बता दें कि, महासमुंद पुलिस द्वारा चलाया जा रहा साइबर जागरूकता पखवाड़ा एक अत्यंत आवश्यक और समयानुकूल प्रयास है। यह अभियान न केवल लोगों को साइबर अपराधों के प्रति सचेत करता है, बल्कि उन्हें इससे बचने के उपाय भी सिखाता है। बसना विधायक ने कहा कि,मैं इस पहल का पूर्ण समर्थन करता हूँ और चाहता हूँ कि जिले का हर नागरिक इस अभियान से लाभान्वित हो।

पुलिस के प्रयास को मिला जन-समर्थन

महासमुंद जिले का हर नागरिक साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक हो और किसी भी ठगी का शिकार न हो। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूँ कि वे इन बातों को गंभीरता से लें और खुद भी जागरूक हों और अपने परिवार तथा पड़ोसियों को भी जागरूक करें।

विधायक ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए साथ ही जनता से अपील करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

अपने पासवर्ड को गोपनीय रखें और नियमित रूप से बदलें। सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचे। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26